डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका

इस्लामिक नया साल मुबारक

सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5, प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें?

वर्ष : 20 | अंक : 22 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 30 जून से 06 जुलाई 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण और यादवों के बीच बढ़ने लगी खाई

- उत्तर प्रदेश में राजनीति के चलते जातिवाद चरम सीमा पर

- जातिवाद और धर्मवाद देश के विकास में बाधक है

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश के इटावा में एक यादव जाति के कथावाचक को ब्राह्मणों ने मारा-पीटा, सिर के बाल काटे और मूत्र के छीटे लगाए। ब्राह्मण जाति के लोगों की मान्यता है कि भागवत कथा केवल ब्राह्मण ही सुना सकता है। हिंदू धर्म की दूसरी जाति का व्यक्ति कथा नहीं सुना सकता है। यादव जाति के कथावाचक के साथ मारपीट के बाद उत्तर प्रदेश में यादव जाति के लोगों ने कड़ा विरोध किया और सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, साथ में आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने की सरकार से मांग की। यादव बाहुल्य गांव, मोहल्लों में ब्राह्मण जाति के लोगों का प्रवेश वर्जित के बोर्ड लगा दिए। अब सोशल मीडिया पर ब्राह्मण और यादव जाति के लोगों के एक दूसरे के खिलाफ वक्तव्य पढ़ने और सुनने को मिल रहे हैं। ब्राह्मण और यादव जाति के बीच अब खाई बढ़ती जा रही है, दोनों जातियों के बीच बढ़ती खाई आपसी टकराव में भी बदल सकती है। यादव ब्राह्मण जाति टकराव में अब राजनीति भी शामिल हो गई है सभी राजनीतिक पार्टियां सोचने लगी हैं कि इस जातिवादी टकराव से कैसे फायदा उठाया जाए? उत्तर प्रदेश सरकार ने जातिवाद रोकने का अभी तक कोई कारगर उपाय नहीं किया है और कर भी नहीं सकती है, क्योंकि उत्तर प्रदेश सरकार चुनाव में जातिवाद और धर्मवाद का सहारा लेकर सत्ता में पहुंची है ।

राजनीति के चलते जातिवाद चरम सीमा पर

देश में नेता विकास, शिक्षा एवं सामाजिक सुधार के आधार पर नहीं चुने जा रहे हैं। नेता शैक्षणिक योग्यता के आधार पर भी नहीं चुने जा रहे हैं। राजनीति में वर्तमान में वही नेता और व्यक्ति ज्यादा सफल हो रहा है जो समाज के आधार पर, धर्म के आधार पर जहरीले भाषण दे और दूसरे विरोधी गुट को नुकसान करने की बात करे। देश के ज्यादातर लोग रोजगार, विकास, शिक्षा, समाज सुधार के भाषणों की अपेक्षा नफरत भरे भाषणों को पसंद करते हैं। इसलिए राजनीति में स्थापित होने और सफल होने के लिए जातिवाद, धर्मवाद, समाजों के बीच नफरत वाले लच्छेदार भाषण देना जरूरी है। उत्तर प्रदेश में तो राजनीति का आधार ही जातिवाद है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर ठाकुर जाति को ज्यादा तरजीह देने के आरोप लग रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती दलितों के सहारे तीन बार मुख्यमंत्री बन गई। अखिलेश यादव और उनके पिता स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने भी जातिवादी राजनीति का ही सहारा लिया। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण जाति और यादव जाति के मतदाताओं की संख्या 10-10 प्रतिशत के आसपास है। ब्राह्मण जाति के लोग राजनीतिक रूप से जागरूक लोग हैं। भाजपा का हिंदुत्व का एजेंडा पूरे भारत में ब्राह्मणों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है। हिंदू समुदाय की ज्यादातर जातियों में ब्राह्मणों के प्रति सहानुभूति कम हो रही है, क्योंकि हिंदू धर्म में जाति व्यवस्था का जिम्मेदार ब्राह्मणों को ही माना जाता है। जातिवादी संघर्ष केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं यह ज्यादातर हिंदी भाषी प्रदेशों में दिखाई देता है। राजस्थान में जाट, राजपूत, दलित, मीणा, गुर्जर, विश्नोई आदि के बीच जातिवाद दिखाई देता है तो मध्य प्रदेश में राजपूत और दलितों के बीच, हरियाणा में जाट और गैर जाट के बीच जाति संघर्ष चरम सीमा पर है। राजनीति के चलते जाति संघर्ष कम होने वाला नहीं है या यह भी कहा जा सकता है कि जातीय टकराव राजनीति के कारण ही होता है।

जाति एवं धर्मवाद देश के विकास में बाधक

जातिवाद और धर्म की राजनीति जिस देश में सत्ता तक पहुंचाने का रास्ता होती है। उससे देश का विकास धीमा हो जाता है या वह देश ही बर्बाद हो जाता है। जाति एवं धर्म की आड़ में अयोग्य धूर्त एवं नफरत फैलाकर, जनता को आपस में बांटकर राजनीति करने वाले नेताओं का बोलबाला होता है। ऐसे नफरती नेता विकास, शिक्षा एवं रोजगार को अपनी सफलता राजनीति में बाधक मानते हैं। धर्म और जाति की आड़ में वह जनता द्वारा पूछे जाने वाले सवालों से साफ तौर पर बच निकलते हैं। जातिवाद और धर्म की राजनीति से निकले नेता देश में आधुनिक शिक्षा और सामाजिक सुधारो को पसंद नहीं करते हैं। हमारा भारत देश वर्तमान में जाति एवं धर्म की राजनीति के दलदल में फंस गया है। यही कारण है कि जगह-जगह जाति और धर्म के आधार पर आम सभाएं, प्रदर्शन रैलियां और विरोधी संघर्ष देश में दिखाई देने लगे हैं। यदि इस तरह की रैलियां, प्रदर्शन एवं सभाएं देश के विकास करने के लिए आधुनिक शिक्षा के लिए एवं रोजगार के लिए होने लगे तो देश जल्दी विकसित बन सकता है।

प्रधानमंत्री हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए करते हैं प्रेरित - मुख्यमंत्री

-'मन की बात' कार्यक्रम की 123वीं कड़ी, अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने रचा नया इतिहास

-देश के 95 करोड़ लोगों को मिल रहा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 123वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में हाल ही में भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के इंटरनेशनल स्पेस सेंटर पर पहुंचने की उपलब्धि की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने एक नया इतिहास रचा है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला के साथ अपनी बातचीत का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने गत 21 जून को 'एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य' थीम पर आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि विशाखापट्टनम के समुद्र तट पर तीन लाख लोगों द्वारा एक साथ योग किया गया। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के बड़े शहरों में आयोजित शिविरों में योग के माध्यम से शांति, स्थिरता और संतुलन की झलक दिखाई दी। प्रधानमंत्री ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा और उड़ीसा में आयोजित भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा के बारे में बात करते हुए कहा कि ये यात्राएं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री ने भारत को हाल ही में मिली दो बड़ी उपलब्धियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को ट्रेकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की 64 प्रतिशत से ज्यादा आबादी को किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश के लगभग 95 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े हुए हैं, जबकि वर्ष 2015 तक 25 करोड़ से कम लोगों तक सरकारी योजनाएं पहुंच पाती थी। मोदी ने वर्ष 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में संविधान की हत्या की गई और अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया था। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा उन लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने आपातकाल का डटकर मुकाबला किया।

शेष पृष्ठ 2 पर ..

इमाम रब्बानी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने कक्षा 12वीं और 10वीं बोर्ड परीक्षाओं में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। इमाम रब्बानी पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है। कक्षा 12वीं और 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस वर्ष कक्षा 12वीं के सभी छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए, जिससे स्कूल का परिणाम 100% रहा। यह छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्कूल की मजबूत शैक्षणिक नींव का प्रमाण है। कक्षा 12वीं की छात्राओं ने विशेष रूप से उल्लेखनीय परिणाम दिए। कुल 16 छात्राओं ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 53 छात्राओं ने डिस्टिंक्शन हासिल की। कई छात्राओं ने विभिन्न विषयों में पूर्ण अंक प्राप्त किए, जिससे स्कूल के उच्च शैक्षणिक मानकों की पुष्टि होती है। विज्ञान संकाय में सालेहा ने 96.20% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। वाज़िहा अख्तर ने 90.20% अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया और सानिया तालिब 89.20% अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहीं। कॉमर्स संकाय में जोया ने 92% अंकों के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, उसके बाद कॉमर्स ने 90.20% और शेना

बानो अंसारी ने 90% अंक प्राप्त किए। आर्ट्स संकाय में मुअज़्ज़मा ने 93% अंकों के साथ टॉप किया, जबकि सानिया यास्मीन ने 90.40% और नबिया परवीन ने 87% अंक प्राप्त किए। स्कूल के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद शोएब ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का नतीजा है।

शेष पृष्ठ 2 पर ..

मेट्रो स्टेशन अब रामगंज चौपड़ पर नहीं बनेगा ?

- जबकि रामगंज चौपड़ से सबसे ज्यादा यात्री भार मिलने वाला था

- यहां के व्यवसायी, बाहर मजदूरी करने जाने वाले, बाहर पढ़ने जाने वाले छात्र-छात्राओ और नौकरी पेशा लोगों को मेट्रो का फायदा नहीं मिल पाएगा

- आश्चर्यजनकरूप से इस क्षेत्र से जीते विधायको, पार्षदों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और समाज सेवियों ने प्रदेश सरकार से अभी तक रामगंज चौपड़ पर मेट्रो स्टेशन बनाने की माग नहीं की है।

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने मेट्रो 2 फेज का विस्तार बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर तक करने का निर्णय लिया था। कांग्रेस सरकार के अंतिम कार्यकाल में भूमिगत लाइन डालने का कार्य भी शुरू हो गया था। मेट्रो के 2 फेज में रामगंज चौपड़, गलता गेट और ट्रांसपोर्ट नगर पर मेट्रो स्टेशन बना था। रामगंज चौपड़ के आस पास का घनी आबादी वाला क्षेत्र है। यहां से व्यापारी मजदूर एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में रोजाना अन्यत्र आते जाते है। रामगंज क्षेत्र के लोगों को मेट्रो द्वितीय फेज से सबसे ज्यादा फायदा मिलने वाला था। दूसरा यहां के लोग सोच रहे थे कि मेट्रो स्टेशन बनने से क्षेत्र में व्यापार बढ़ेगा, लोगों को रोजगार मिलेगा और यहां की प्रॉपर्टी की कीमत भी तेजी से बढ़ेगी। लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार ने पिछली सरकार का निर्णय बदल दिया। मेट्रो फेज द्वितीय का काम तो पूरा होगा लेकिन रामगंज चौपड़ पर मेट्रो स्टेशन नहीं बनेगा। जब यह सूचनाएं लोगों तक पहुंची तो क्षेत्र की जनता ने और व्यापारियों ने सरकार के निर्णय से सहमति जताई। क्षेत्र की जनता, व्यापारी, मजदूर और छात्र छात्राएं अब मेट्रो रेल का फायदा नहीं उठा पाएंगे सिर्फ मेट्रो रेल आते जाते देखकर ही खुश हो सकेंगे।

राजनीतिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियो एवं जनता की प्रतिक्रिया -

रामगंज, घोड़ा निकास रोड, और घाट गेट बाजार के व्यापारियों ने सरकार के निर्णय पर अप्रसन्नता जाहिर की है। जनता में नाराजगी है।

शेष पृष्ठ 2 पर..

अजमेर दरगाह में मोहर्रम के चलते 13 दिन थमेगी कव्वाली

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। इंसानी दिल को सुकून और रूह को सुकून देने वाली सूफियाना कव्वाली का सिलसिला अजमेर शरीफ दरगाह में सदियों से जारी है। ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में आने वाले जायरीन सूफी कव्वालियों के जरिए रूहानी सकून पाते हैं, लेकिन मोहर्रम का चांद दिखाई देने के साथ ही दरगाह में कव्वालियों का सिलसिला 13 दिनों के लिए रुक गया है। इस्लामिक नए साल की शुरुआत मोहर्रम से होती है और इस महीने में मुसलमान गम-ए-हुसैन मनाते हैं। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद ▯ के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों ने करबला के मैदान में शहादत दी थी, जिसे याद करते हुए मोहर्रम के दिनों में सूफी दरगाहों में कव्वालियां बंद कर दी जाती हैं।

अजमेर दरगाह में देश-विदेश से हजारों जायरीन रोजाना हाजिरी देने और मन्नतें मांगने आ रहे हैं। इस दौरान जायरीन दरगाह में जियारत और फातिहा तो कर सकेंगे, लेकिन उन्हें सूफियाना कव्वालियां सुनने को नहीं मिलेंगी। दरगाह में अब इन 13 दिनों में गम-ए-हुसैन और जिक्र-ए-कर्बला किया जाएगा।

सुनहरे मोती

ज़िन्दगी का असल मज़ा इसी में है कि हमेशा तकलीफों और मुसिबतों का मुकाबला करो और उसके साथ-साथ मुस्कुराते भी रहो।

अपनी ज़िन्दगी में अगर कुछ पाना चाहते हो तो जद्दोजहद करना सीखो, क्योंकि कुछ पाने के लिये बहुत कुछ खोना पड़ता है।

जिन्दगी हर शख्स को अज़ीज़ है, लेकिन बहादुर इन्सानों के लिये इज़्ज़त ज़िन्दगी से अज़ीज़ होती है।

ज़िन्दगी उस्ताद से ज्यादा सख्त होती है क्योंकि उस्ताद सबक देकर इम्तिहान लेता है और ज़िन्दगी इम्तिहान लेकर सबक देती है।

ज़िन्दगी की मुसिबतें हल्की करना चाहते हो तो गुनाह ना करो।

ज़िन्दगी तब बेहतर होती है जब आप खुश होते हैं। लेकिन ज़िन्दगी तब बेहतरीन होती है जब आपकी वजह से कोई दूसरा खुश होता है।

अपनी ज़िन्दगी में हर किसी को एहमियत दो, जो अच्छा होगा खुशी देगा और जो बुरा होगा सबक देगा।

ज़िन्दगी की मुसिबतें कम करना चाहते हो तो ज्यादा से ज्यादा मशगूल रहो।

ज़िन्दगी कभी-कभी ऐसी ठोकर मारती है कि इन्सान सीधा सजदे में जा गिरता है।

ज़िन्दगी में हर मौके का फायदा उठाओ, मगर किसी के भरोसे का नहीं।

हबीबुल्ला एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

मसीहा बनते हो

तुम्हारा प्यार बारिश की तरह बरसाओ
बहुत उमस है जहां हो यहां चले आ ओ
कितना आसां है नाराज़गी के आलम में
तुम्हारा कहना मेरी बला से मर जाओ
वादे जितने भी हमारे बीच हमने किये
एक आनेका जो वादा है पूरा कर जाओ
तुम्हीं सही हो माना हर-एक बार मगर
ग़लत हम भी नहीं थे कभी ये मनवाओ
बहुत उजाले में हर चीज़ नज़र आती है
ख़ुशी में आंख नम क्यूं ज़रा ये समझाओ
मेरे दु:ख़ों का क़िस्सा तुम्हें सुनाऊंगा
ये ओर बात के सुनते सुनाते सो जाओ
ज़हर आलूद हवाओं से बचाना है मुझे
तेरा वजूद तेरी शान कैसे बतलाओ
कोई संजीदगी की बात हमें कहनी हो
तो हंस के आपका कहना जनाब फ़रमाओ
कभी तो मेरा नज़रिया भी समझना दिल से
कभी ये प्यार से कहना हमें भी समझाओ
तबाह करके ये दुनिया मसीहा बनते हो
अपने ज़ुल्म को रहमो-करम न बतलाओ
तीर खाकर कभी जां- बा -हक हुआ असगर
गजा में क़त्ल किये किसने ये भी बतलाओ

तख़लीक़:- फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भाजपा पदाधिकारियों ने सुनी मोदी के मन की बात

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जिला सवाई माधोपुर के पदाधिकारियों ने जिला कार्यालय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की उपस्थिति में सुना। जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 123वें संस्करण में जनता से सीधा संवाद करते हुए राष्ट्र निर्माण के अनेक पहलुओं पर विचार साझा किए। किसान कल्याण से लेकर युवा उत्थान तक, वैज्ञानिक नवाचार से लेकर आत्मनिर्भर भारत तक, महिला सशक्तिकरण से लेकर पर्यावरण सरंक्षण तक, स्वच्छ भारत से लेकर सांस्कृतिक विरासत तक, हर विषय पर प्रधानमंत्री के विचार प्रेरणा से भरपूर और दिशा देने वाले रहे। प्रधानमंत्री ने आपातकाल की विभीषिका को

याद करते हुए लोकतंत्र की मूल भावना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जनता की शक्ति को नमन किया, और कहा कि आपातकाल इतिहास की याद नहीं बल्कि लोकतांत्रिक चेतना का आह्वान था। "मन की बात" कार्यक्रम सिर्फ रेडियो कार्यक्रम नहीं बल्कि भारत के करोड़ों नागरिकों से संवेदनात्मक जुड़ाव का माध्यम है, यह संवाद वह है जिससे अतीत की सीख मिलती है, जिससे कार्यकर्ता की वर्तमान की जिम्मेदारी तय होती है और भविष्य के संकल्प जागते है। हर माह की अंतिम रविवार को यह आवाज़ भारत की आत्मा को छू जाती है यह वास्तव में राष्ट्र के "मन" की बात है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जिले के प्रत्येक मंडल सहित 150 से अधिक शक्ति केंद्रों पर इस कार्यक्रम को सुना। इस दौरान भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश जैन, जिला महामंत्री हरिओम गर्ग, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारण धाकड़, मीडिया प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल, ओम सुवालका, मुकेश शर्मा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

बामनवास में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

-कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन,15 दिन में मांग मनवाने का अल्टीमेटम दिया

शादाब अली

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में 27 जून की रात्रि में बामनवास विधानसभा के गांव अमावरा में असामाजिक तत्वों द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर सोहार्द पूर्ण वातावरण को दूषित करने एवं सांप्रदायिकता फैलाने का जो काम किया है इसके खिलाफ बामनवास से कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर ने गांव में घटनास्थल पर जाकर धरना दिया एवं सरकार के नाम मोके पर उप जिला कलेक्टर बामनवास को ज्ञापन सौंपा अपराधियों के खिलाफ शीघ्र मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग रखी। बाबा साहब की 15 दिन के अंदर प्रतिमा स्थापित करें एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अमावरा पुलिस चौकी पर स्टाफ बड़ा करके रात्रि गश्त लगाई जाए। जिससे किसी प्रकार का कोई विवाद पैदा ना हो एवं लोगों में अमन चैन शांति बना रहे। मौके पर प्रशासन की ओर से उप जिला कलेक्टर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उपपुलिस अधीक्षक

सर्किल इंस्पेक्टर पुलिस चौकी इंचार्ज तहसीलदार हल्का पटवारी गिरदावर मौके पर मौजूद रहे।

निर्माणाधीन लाइब्रेरी भवन में सुभाष डागर ने लगवाया चैनल गेट

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील यादव समाज के द्वारा पिछले कई दिनों से रेलवे स्टेशन रोड के पास यादव समाज के द्वारा निर्माणाधीन भवन बना हुआ था। लेकिन इस भवन की कोई देखरेख नहीं होने से वह में गेट खुला रहने से असामाजिक तत्वों का प्रवेश आना-जाना रहता था। खुला गेट होने से भवन में कचरा गंदगी पड़े रहने से आवारा पशु आकर बैठ जाते थे। कुछ दिन पहले यादव समाज के नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर ने इसकी मौका मिलना करके इस गंदगी वह साफ उपाय नहीं होने से तुरंत

मौके पर ही लाइब्रेरी निर्माण दिन भवन पर चैनल गेट लगवाया अब सुरक्षा के पुख्यात इंतजाम किए गए। नए अध्यक्ष बनते ही अपने कर्म की शपथ ली है उसे काम के लिए शुरुआत कर दी गई है। इसको लेकर यादव समाज बंधुओ के द्वारा साधुवाद दिया।

श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के पोस्टरों व पंपलेटो का किया विमोचन

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। तहसील के ग्राम पंचायत सान्नदसंर के स्थित श्री भर्तृहरि धाम हस्तेडां रोड के पास 28 जून 2025 से लेकर 4 जुलाई 2025 तक श्री नंद बिहारी दास के द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव को लेकर प्रचार प्रसार के लिए पोस्टर व पंपलेटो का विमोचन किया गया। जिसकी भव्य कलश यात्रा महिलाओं द्वारा 28 जून 2025 को प्रातः 7:30 बजे ठाकुर जी मंदिर सान्नदसंर से आरंभ हुई। जिसमें श्री श्री 1000 श्री प्रेम दास जी महाराज एवं महंत श्री विजय रामदास खेड़ापति आश्रम से आए। इस भागवत कथा का विधि विधान से शुभारंभ किया। भागवत कथा

आचार्य याज्ञिक पंडित रामबाबू शास्त्री ने बताया कि कथा नित्य प्रातः 11:00 से 3:00 बजे तक रहेगी। सभी आस-पास के ग्राम वासियों एवं ढाणी वासियों द्वारा जोर-जोर से इस कार्यक्रम को लेकर तैयारों की जा रही है। यह श्रीमद् भागवत कथा 7 दिन में ही अपना व्यवहार कर लिया जाएगा।

सान्दरसर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन शुरू

- कथा से पुर्व निकाली भव्य कलश यात्रा

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौंमूं तहसील की ही ग्राम पंचायत सान्दरसंर के स्थित हस्तेडा सड़क मार्ग पर भर्तुहरी धाम पर शनिवार से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आयोजन प्रेमदासजी महाराज खेड़ापति बालाजी धाम समोद एवं नंद बिहारी दास महाराज के पावन सानिध्य में चौमू निवासी भागवताचार्य याज्ञिक पंडित रामबाबू शास्त्री के द्वारा विधि विधान से कलशों की पूजा- अर्चना कर एवं ध्वज की पूजा अर्चना कर महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई । इसके बाद आए हुए साधु संत महाराज के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कथा से पुर्व सान्दरसंर ग्राम के ठाकुर जी के मंदिर से प्रातः सवा आठ बजे सैकड़ो महिलाओं ने कलशों शिर

पर डीजे की धुन में नाचती गाती चल रही थी। इस मौके पर ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर कलश यात्राओं का शोभा बढ़ाया।आलीसर भुधरदास महाराज मन्दिर के महंत गंगादास महाराज, प्रेमदास महाराज खेड़ापति बालाजी धाम समोद एवं नंद बिहारी दास महाराज ने कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर कलश यात्रा को रवाना किया। कलश यात्रा ग्राम के मुख्य मार्गों से होते हुए भतृहरी धाम कथा स्थल पर पहुंची। कथा का वाचन चौमू निवासी भागवताचार्य याज्ञिक पंडित रामबाबू शास्त्री के द्वारा सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक किया गया। इस मौके पर सान्नदसंर प्रशासन सरपंच पति अशोक कुमार यादव , डिलर जगदीश यादव , सहित सैकड़ो महिलाएं एवं ग्राम जनता इस कार्यक्रम में शोभा बढ़ाने के लिए पहुंचे ।

राजस्थान किसान सभा की तहसील इकाई का सम्मेलन संपन्न हुआ

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपखंड मुख्यालय मलारना डूंगर में 29 जून 2025 को राजस्थान किसान सभा की तहसील मलारना डूंगर सम्मेलन में अध्यक्ष रामभरोस मीणा सचिव विजेंद्र बैरवा चुने गए। राजस्थान किसान सभा की तहसील इकाई का सम्मेलन रविवार को संपन्न हुआ सम्मेलन में मुख्य वक्ता रामगोपाल गुणसरिया ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकारें किसानों के उपयोग में यंत्र खाद बीज महंगे दामों में मिल रहे हैं। किसान सभा के जिला अध्यक्ष कांजी मीणा ने संबोधित करते हुए कहा कि मजबूत संगठन ही शोषण से मुक्ति दिला सकता है किसान सभा के जिला सचिव

कालूराम मीणा ने किसान सभा के इतिहास पर चर्चा की सम्मेलन में तहसील इकाई का सर्व सहमति से उसमें अध्यक्ष पद रामभरोस मीणा उपाध्यक्ष रामकेश मीणा गंभीरा अबरार बहतेड रेवत सिंह राजपूत बांड शाहपुरा सचिव विजेंद्र बेरवा बांड बरियारा दिलखुश मीणा सदस्य विकास मीणा मेघराज मीणा लक्ष्मी चंद मीणा सीताराम योगी धर्मेंद्र बेरवा इन सभी का चुनाव किया गया और संगठन में काम करने की शपथ दिलाई गई।

जिला कलक्टर ने राजकीय सामान्य चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम ने शनिवार को राजकीय सामान्य चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर चिकित्सा सेवाओं, स्वच्छता व्यवस्था और मरीजों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के दवा वितरण केन्द्र, आईसीयू वार्ड, मेडिकल वार्ड, सर्जिकल वार्ड, रामाश्रम वार्ड, एसएनसीयू, शिशु और बाल रोग ओपीडी, जनरल वार्ड सहित अन्य वार्डों में जाकर भर्ती मरीजों से संवाद कर चिकित्सा सुविधाओं का फीडबैक लिया। साथ ही उन्होंने चिकित्सा स्टाफ की उपस्थिति भी जांची।

निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने चिकित्सालय में पेयजल, बिजली, कूलर-पंखों की स्थिति पर विशेष ध्यान देते हुए सभी वार्डों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, मरीजों की बेडशीट प्रतिदिन बदलवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने पीएमओ डॉ. तेजराम मीणा को सख्त निर्देश दिए कि चिकित्सालय में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो उन्हें गुणवत्तायुक्त चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाएं।

For Sale

1,2,3,4 BHK फ्लैट्स ,
मोती डूंगरी रोड, आदर्श नगर,
जवाहर नगर, फतेह टीबा
& Near by Location
Contact - 8386947005

हरित इंदिरा गांधी नगर वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ संपन्न

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। इंदिरा गांधी नगर जगतपुरा में मिशन हरित इंदिरा गांधी नगर के तहत सर्व समाज सेवा समिति के सदस्य द्वारा इस वर्ष वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। डॉ. अशोक दुबे ने बताया कि अभियान की शुरुआत ग्रुप के सम्मानित सदस्य संदीप शर्मा के विवाह वर्षगांठ के शुभ अवसर पर सेक्टर 3 एमबी पार्क में पवित्र बरगद (वट वृक्ष) के पौधे लगाकर की गई। साथ ही शहतूत, शीशम,बांस के पौधों को भी रोपित किया गया। इस अवसर पर मिशन हरित से जुड़े संदीप शर्मा, दम्मी लाल, भोलाराम महावर, चुन्नीलाल जाटव, देवकीनंदन शर्मा, महेंद्र चौधरी, नवीन शर्मा, दिनेश पारीक, गोविंद शर्मा, उदय कांत झा, बने सिंह मीणा, रामचंद्र सैनी, मदन मोहन नगाइच, महेंद्र चतुर्वेदी सहित मातृशक्ति भी उपस्थित रही।

पृष्ठ 1 का शेष ..

इमाम रब्बानी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने..

उन्होंने कहा कि स्कूल को अपने छात्रों पर गर्व है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। कक्षा 10वीं का परिणाम भी अत्यंत सराहनीय रहा। कुल 145 छात्रों में से 141 ने परीक्षा दी, जिनमें से 137 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार स्कूल का उत्तीर्ण प्रतिशत 97.24% रहा। इन छात्रों में से 74 ने प्रथम श्रेणी, 52 ने द्वितीय श्रेणी और 13 ने तृतीय श्रेणी प्राप्त की। चार छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो सके, जबकि दो छात्रों को पूरक परीक्षा में सुधार का अवसर मिलेगा। कक्षा 10वीं में भी लड़कियों का प्रदर्शन शानदार रहा। सानिया परवीन ने 94.17% अंकों के साथ टॉप किया, उसके बाद सुमैया ने 93.50% और अजीस्ता नूर ने 91.33% अंक प्राप्त किए। अन्य उल्लेखनीय छात्राओं में अलशिफा हैदरी (89.50%) और समनिया (89.17%) शामिल हैं। स्कूल की उपाध्यक्ष डॉ. समरा सुल्ताना ने इन उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि अभिभावकों का अटूट सहयोग और शिक्षकों की अथक मेहनत ने इन परिणामों में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद फज़लुर्रहीम मुजद्दिदी ने सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी और कहा कि सच्ची शैक्षणिक सफलता निरंतरता, धैर्य और समर्पण से प्राप्त होती है। 1996 में स्थापित इमाम रब्बानी पब्लिक स्कूल एक सहशिक्षा अंग्रेज़ी माध्यम स्कूल है जो शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नैतिक निर्माण पर भी विशेष बल देता है। यह संस्थान छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों और अवसरों का आत्मविश्वास और क्षमता के साथ सामना कर सकें।

पृष्ठ 1 का शेष ..

मेट्रो स्टेशन अब रामगंज चौपड़ पर....

लेकिन क्षेत्र के राजनीतिक कार्यकर्ता, पार्षद, और यहां से कांग्रेस के दोनों विधायक चुप्पी साधे हुए हैं। शायद इसका कारण हो सकता है कि अभी चुनाव नहीं हो रहे है। नेताओं को जनता के रोजगार, व्यापार एवं अन्य सुविधा से कोई लेना देना नहीं है, उनको सिर्फ वोट चाहिए। सरकार का रामगंज चौपड पर मेट्रो स्टेशन नही, बनाने का निर्णय का कोई उचित आधार दिखाई नहीं दे रहा है। सिर्फ एक ही वजह हो सकती है कि इस क्षेत्र पर मुस्लिम बाहुल क्षेत्र का तमगां लगा हुआ है। वैसे यहां मुस्लिम और हिंदू का 70:30 का अनुपात है। देश के सभी नागरिकों का अधिकार होता है कि सरकार के विकास कार्यक्रम में उन्हें भागीदारी मिले। लेकिन सरकार केवल यहां इसलिए मेट्रो स्टेशन नहीं बना रही है कि मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है, उचित नहीं कहा जा सकता है।

यात्रीभार

माना जा रहा है कि यदि रामगंज चौपड़ स्टेशन बनता तो यहां सभी अन्य मेट्रो स्टेशन से यात्रीभार ज्यादा मिलता। क्योंकि यहां के मजदूर अजमेर रोड, मानसरोवर, सीतापुरा, वीकेआई, सिंधी कैंप चांदपोल मालवीय नगर आते जाते हैं। यहां के छात्र-छात्राएं टोंक रोड, जगतपुरा मानसरोवर, अजमेर रोड, दिल्ली रोड, सीकर रोड की शिक्षण संस्थानों में पढ़ने जाते-आते हैं। इसी प्रकार यहां के व्यापारी भी रोजाना बड़ी संख्या में आना जाना करते हैं। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि रामगंज चौपड़ पर सबसे ज्यादा ई- रिक्शा दिखाई देते हैं। क्योंकि यहां से बड़ी संख्या में ई-रिक्शा से लोग आना-जाना कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार रामगंज-चौपड़ पर मेट्रो स्टेशन नहीं बनाती है तो उचित नहीं कहा जा सकता है। भाजपा सरकार चाहे तो अपने निर्णय पर पूर्ण विचार कर सकती है। लेकिन रामगंज चौपड़ पर मेट्रो स्टेशन नहीं बनाना यहां की जनता के साथ पक्षपात ही माना जाएगा।

पृष्ठ 1 का शेष ..

प्रधानमंत्री हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में...

प्रधानमंत्री ने देश के अलग-अलग क्षेत्रों में कला, शिल्प और कौशल की विविधता के बारे में बात करते हुए कहा कि मेघालय के विशेष एरी सिल्क के माध्यम से वहां की महिलाएं स्वयं सहायता समूह बनाकर इस धरोहर को आगे बढ़ा रही है। वहीं तेलंगाना के भद्राचलम की महिलाएं श्रीअन्न से बिस्किट तैयार कर हैदराबाद से लंदन तक भेज रही है। श्री मोदी ने कहा कि कर्नाटक के कलबुर्गी की महिलाओं द्वारा बनाई गई ज्वार की रोटी एक ब्रांड बन चुकी है। उन्होंने मध्यप्रदेश की सुमा उइके द्वारा मशरूम की खेती और पशुपालन के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री के संबोधन से होता है सकारात्मक ऊर्जा का संचार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सफर में उपलब्धि के रूप में आए हर एक पड़ाव को वे इस कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों के साथ साझा करते है। प्रधानमंत्री जी देश के हर नागरिक को भी राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करते है। उनके प्रेरणादायी उद्बोधन से मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

300 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

-ताजुल फाउंडेशन के पुरस्कार वितरण समारोह एवं कांउसलिंग सेमिनार में जुटे विशिष्टजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ताजुल फाउंडेशन द्वारा रविवार 29 जून को गोनेर रोड स्थित होटल ताहा के पास एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह एवं कॅरियर काउंसलिंग सेमिनार 2024-25 का आयोजन किया। कार्यक्रम में कक्षा 10वीं और 12वीं के विभिन्न बोर्डों से 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 300 से अधिक छात्र-छात्राओं को मेडल, मोमेंटो व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सोहेल खान नागोरी (ताजुल फाउंडेशन) और उनके पिता सिराज खान नागोरी (होटल ताहा) के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर मंच पर प्रमुख अतिथियों के रूप में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रूबी खान, सदर रईस मौलाना, हाफ़िज शरीफ़ खान, होटल फेडरेशन के अध्यक्ष एच. हुसैन, कैप्टन मिर्जा एम. बैग, सुखपाल बसवाल, एडवोकेट जुबैर, यामीन खान एवं सईद खान ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। सभी अतिथियों ने एक आवाज में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आगाज़ एनजीओ के फाउंडर मोहम्मद शहजाद ने विद्यार्थियों को करियर काउंसलिंग के जरिये उच्च शिक्षा और प्रोफेशनल विकल्पों की जानकारी दी। हमीद मेवाती ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने सहयोग का आश्वासन देते हुए ताजुल फाउंडेशन के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। रूबी खान ने विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा और उनके आत्मविश्वास की बात करते हुए कहा, यही छात्राएं देश का सशक्त भविष्य हैं। कार्यक्रम का संचालन शाहनवाज लाला द्वारा किया गया। समापन पर सोहेल खान नागोरी ने बताया कि ताजुल फाउंडेशन हर वर्ष इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करता है, ताकि छात्र-छात्राओं को न केवल उनकी मेहनत का सम्मान मिले, बल्कि वे अपने करियर को लेकर जागरूक और प्रेरित भी हो सकें।

इस दौरान ताजुल फाउंडेशन की ओर से शाहनवाज लाला, जफर पठान, इकराम खान, महेश चन्द शर्मा, इरफान खाननदीम खान, आसिफ खान, शाहरूख खान, उमर फारूक, यासिद खान, सालिक खान, शाबिर खान, शाकिर खान, मोहसिन खान, असरार खान, फैजान खान, वईद खान, रहीस खान, जासिर पठान एवं ताहा खान ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजस्थान बार काउंसिल ने बजट में 7.50 करोड़ रूपये के प्रावधान के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने CMR पर बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिवक्ता हमारी न्याय प्रणाली का अभिन्न अंग है। पीड़ित वर्ग को त्वरित न्याय दिलाकर अधिवक्ता राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान देते हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को अपने निवास पर राजस्थान बार काउंसिल कार्यकारिणी के सदस्यों ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री का राज्य बजट 2024-25 में राजस्थान बार काउंसिल के लिए एक बारीय सहायता के रूप में 7.50 करोड़ रूपये का प्रावधान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान प्रदेश में न्यायपालिका के और अधिक सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न विधिक मुद्दों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ राजस्थान कानूनी सुधारों को क्रियान्वित करने, विधि शिक्षा और विधिक सहायता जैसे अन्य महत्वपूर्ण सराहनीय कार्य कर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में बड़ा योगदान दे रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की अदालतों में चरणबद्ध रूप से सुविधाओं का विस्तार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों के माध्यम से देश और समाज को एक नई दिशा दी है। इन अभियानों के व्यापक और सकारात्मक परिणाम हम सब देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अधिवक्ता भी समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं को अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकालकर सामाजिक सरोकारों से जुड़ना चाहिए। इस अवसर पर राजस्थान बार काउंसिल के अध्यक्ष भुवनेश शर्मा सहित वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

हज से लौटने पर दीनू खान और अंजुम खान का किया स्वागत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने हज यात्रा से लौटने पर दीनू खान मेवाती और उनकी पत्नी अंजुम खान सहित अन्य यात्रियों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। रविवार को जयपुर एयरपोर्ट पर हुए इस स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और परिजनों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। दीनू खान कॉंग्रेस से सिविल लाइंस मंडल अध्यक्ष हैं, जबकि अंजुम खान श्रम विभाग में सदस्य हैं। हज यात्रा से उनके सकुशल लौटने पर स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें मुबारकबाद दी और हज की कबूलियत की दुआ की। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाज के कई लोग मौजूद रहे।

कागजी क्रिकेट लीग (केपीएल) का हुआ समापन

-डायमंड क्लब सांगानेर ने जीता फाइनल

मोहम्मद सादिक हिंदुस्तानी

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर की एक मात्र कागजी क्रिकेट अकादमी के खेल मैदान पर एक महीने से कागजी प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन चल रहा था। टीमों को तीन ग्रुपों में जूनियर, सीनियर एवं सिटीजन सीनियर में बांटा गया था। जिसमें जूनियर की 9 टीमें, सीनियर की 24 टीमें, और सिटीजन सीनियर की चार टीमों ने हिस्सा लिया था। जूनियर का फाइनल पठान इलेवन ने जीता सीनियर सिटीजन का फाइनल स्टार इलेवन ने जीता और मुख्य सीनियर फाइनल में डायमंड क्लब ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए केकेआर की टीम को पराजित कर फाइनल मुकाबले में जीत हासिल की। कागजी क्रिकेट लीग के मुख्य आयोजक (स्पॉन्सर) NASA पावर वॉयस कोइल के डायरेक्टर रज्जाक कागजी ने तीनों ग्रुपों के विजेता उपविजेता टीम को एवं बेस्ट बॉलर, बेस्ट बैट्समैन एवं मैन ऑफ द मैच को हजारों की इनामे एवं ट्रॉफी प्रदान की गईं। इस मौके पर हाजी इस्लामुद्दीन कागजी सलीम पेपर, डॉ. अबुल हसन कागजी डायरेक्टर एल पेपर, जावेद कागजी प्रदेश कोषाध्यक्ष, शईद कागजी बरकाती डायरेक्टर विजार्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वजीर पठान डायरेक्टर बीई कॉस्टिक, अजीज कागजी पिंक सिटी, इमरान कागजी वर्धमान, कलाम कागजी वीनस, खालिद कागजी एजी, कलाम अजमेरी ए-वन आदि भामाशाहों द्वारा खिलाड़ियों को हजारों रुपए की इनामें दी गई। फाइनल विजेता टीम के खिलाड़ियों को गोवा टूर का पैकेज दिया गया। एक महीने चली इस कागजी क्रिकेट लीग का सांगानेर के हजारों लोगों ने लुफ्त उठाया। इस क्रिकेट लीग का उद्घाटन राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने एवं आरसीए के पूर्व उपाध्यक्ष अमीन पठान, किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने किया था। डॉ. अबुल हसन कागजी (डायरेक्टर एल पेपर) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सांगानेर के सभी समुदायों के बच्चों को इस एकेडमी में एंट्री मिलेगी। भविष्य में सांगानेर से टैलेंटेड क्रिकेटर निकलेंगे ऐसी सबको आशा है। बच्चों का एकेडमी में 100 रुपये का फॉर्म एवं 5000 रुपये फीस के साथ एडमिशन शुरू हो गई है। जिसमें बच्चों को एक किट मिलेगी और दो ड्रेस एक कलर एक सफेद फ्री दी जाएगी। खिलाड़ियों को क्रिकेट का प्रशिक्षण राजस्थान के नामी-गिरामी कोच द्वारा दिया जाएगा।

हज यात्रा-2025 की अंतिम फ्लाइट जयपुर पहुंची

-158 हाजी सकुशल लौटे, परिवारों की आंखों में खुशी के आंसू

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। हज यात्रा-2025 की अंतिम और 17वीं फ्लाइट रविवार सुबह 9:30 बजे जेद्दाह से जयपुर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंची। इस फ्लाइट में 158 हाजी सकुशल लौटे, जिनमें 78 महिलाएं और 80 पुरुष शामिल रहे। फ्लाइट को सुबह 7 बजे पहुंचना था, लेकिन तकनीकी कारणों से इसमें देरी हुई। एयरपोर्ट पर परिजनों ने अपनों को देखकर खुशी और भावुकता से गले लगाया। आंखों में आंसू और चेहरों पर मुस्कान लिए परिवारजन अपने हाजियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। जैसे ही हाजियों ने अपनों को देखा, खुशी से भावनाएं छलक पड़ीं। इस दौरान राजस्थान स्टेट हज कमेटी ने हर हाजी का गुलाब का फूल देकर इस्तकबाल किया। चाय-पानी की विशेष व्यवस्था ने गर्मजोशी में इज़ाफा किया। हज यात्रियों को एयरपोर्ट पर 5 लीटर जम-जम पानी का जार भी वितरित किया गया।

इमिग्रेशन, कस्टम और बैगेज की व्यवस्थाएं भी पूरी तरह दुरुस्त रहीं और किसी का सामान गुम नहीं हुआ।

इस मौके पर सबसे बुजुर्ग हाजी टोंक जिले के 74 वर्षीय मोहम्मद युनुस एवं सबसे कम उम्र के हाजी नागौर निवासी 13 वर्षीय मोहम्मद ने छोटी उम्र में मिसाल कायम की। हज के 53 दिन के पवित्र सफर के दौरान सभी हाजियों ने मक्का और मदीना में अरकान पूरे कर सकून और तसल्ली के साथ वतन वापसी की। हाजियों ने बताया कि उन्होंने मुल्क हिंदुस्तान और खासकर राजस्थान की तरक्की, अमन-चैन और खैरियत के लिए अल्लाह की बारगाह में दुआएं मांगी। उन्होंने कहा कि अल्लाह ने इस सफर को बहुत आसान बना दिया और यह सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मा की तालीम और देश के लिए दुआओं का सफर था।

इस वर्ष राजस्थान से 3411 हज यात्री रवाना हुए थे, जिनमें 3398 राजस्थान से और 13 अन्य राज्यों से थे। अब तक जयपुर एम्बार्केशन प्वाइंट पर 2708 हाजी लौट चुके हैं, शेष हाजी दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद जैसे प्वाइंट्स से लौट रहे हैं। यह हज सफर खत्म हुआ, लेकिन हाजियों के साथ अमन, शांति और दुआओं की सौगात भी लौट आई। जयपुर एयरपोर्ट पर आज इबादत, खुशी और भावनाओं का शानदार मिलन देखने को मिला।

जयपुर एयरपोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप

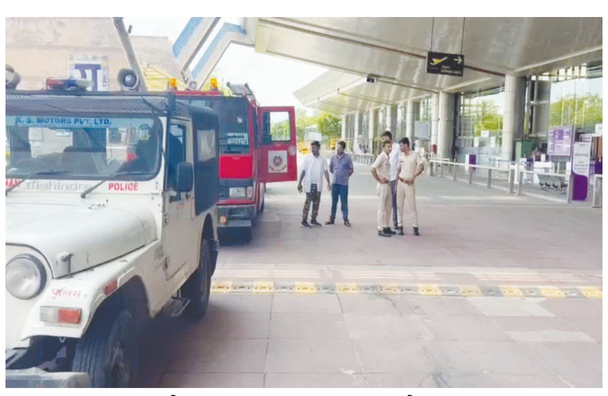

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी में बम की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को एक बार फिर जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिससे पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी को ईमेल के जरिए भेजे गए धमकी भरे संदेश में लिखा गया था कि एयरपोर्ट बिल्डिंग के अंदर विस्फोटक रखा गया है और जल्दी ही धमाका होगा।

साथ ही चेतावनी दी गई कि अगर बिल्डिंग खाली नहीं कराई गई तो सभी लोग मारे जाएंगे। धमकी भरा ईमेल मिलते ही पुलिस, सीआईएसएफ, फायर ब्रिगेड, बम स्क्वायड और सिविल डिफेंस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। डीसीपी ईस्ट तेजस्वनी गौतम ने बताया कि एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग और परिसर के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली गई। डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड ने सघन तलाशी अभियान चलाया। हर बैग और हर कोने को स्कैन किया गया, लेकिन राहत की बात यह रही कि कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली, हालांकि मामले को गंभीरता से लिया गया है।

कोटा में ट्रेवल मार्ट आयोजित कराने की मंजूरी, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

जयपुर/कोटा, (रॉयल पत्रिका)। होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान, होटल फेडरेशन ऑफ़ कोटा संभाग एवं जयपुर होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने कोटा विधायक संदीप शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री से मुलाकात कर कोटा संभाग में पर्यटन सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कोटा में ट्रेवल मार्ट आयोजित कराने एवं अभी तक नियमन से वंचित होटलों का नियमन कराने के विषय में विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री को नियमन से वंचित होटलों से जुड़े तथ्यात्मक डॉक्यूमेंट भी सौंपे। बैठक में होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान ने बताया कि कोटा संभाग में टूरिज्म की बड़ी संभावनाएं हैं, लेकिन नियमन की प्रक्रिया लंबित रहने और बड़े स्तर पर प्रमोशन गतिविधियों के अभाव में टूरिज्म को अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने कोटा में आगामी कोटा ट्रेवल मार्ट आयोजित कराने की स्वीकृति प्रदान की। ट्रेवल मार्ट के आयोजन से कोटा के टूरिज्म सेक्टर को नई ऊर्जा मिलेगी, जिससे क्षेत्र में रोजगार, स्थानीय व्यवसाय और होटल इंडस्ट्री को सीधा लाभ पहुंचेगा। होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय कोटा संभाग में पर्यटन विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। प्रतिनिधिमंडल में होटल फेडरेशन ऑफ कोटा संभाग और जयपुर होटल एसोसिएशन के पदाधिकारी भी शामिल रहे।

हज के मुकद्दस सफर से लौटे हाजियों का जयपुर एयरपोर्ट पर परिजनों ने किया स्वागत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। हज यात्रा पूरी कर राजस्थान के हाजी स्वदेश लौट रहे हैं। शनिवार सुबह 7:40 बजे जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एयर इंडिया एक्सप्रेस की 16वीं फ्लाइट जद्दा (सऊदी अरब) से पहुंची, जिसमें सैकड़ों हाजी सवार थे। हज यात्रा पूरी कर जैसे ही हाजी स्वदेश लौटे, परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई।

राजस्थान स्टेट हज कमेटी के अधिशासी अधिकारी अबु सुफियान चौहान ने बताया कि एयरपोर्ट पर हाजियों के परिजनों के लिए छाया, पेयजल व बैठने की उचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने जानकारी दी कि 29 जून तक कुल 17 फ्लाइट्स से हाजियों की वतन वापसी पूरी होगी।

इस मौके पर हज खिदमतगारों ने गर्मजोशी से हाजियों का इस्तकबाल किया। हाजी राशिद अहमद डीलक्स, आरिफ माल्या, हाफिज साकिब यामीन रंगरेज, अब्दुल सलीम महाराज, तोहिद अहमद, लइक अहमद, आरजू अंसारी, फैयाज अहमद, इस्लामुद्दीन, नधू खान, शकील कुरेशी, फैयाज नागौरी समेत कई हज खिदमतगारों ने एयरपोर्ट पर हाजियों का स्वागत किया। पूरी टीम दिन-रात सेवा में जुटी रही। हज यात्रियों ने बताया कि इस बार न तो सऊदी अरब में और न ही स्वदेश लौटने पर किसी तरह की दिक्कत हुई। उन्होंने राजस्थान हज कमेटी और एयरपोर्ट प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें इस बार हर कदम पर बेहतर सहयोग मिला। हाजियों ने इस मुकम्मल सफर और शानदार इंतजामों के लिए राजस्थान हज कमेटी की कार्यशैली को सराहते हुए शुक्रिया अदा किया।

वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक और पार्ट्स बरामद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)।गलतागेट थाना पुलिस और सीएसटी ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए शातिर वाहन चोर मोहम्मद हुसैन उर्फ चांद (26) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की हुई हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल सहित अन्य बाइकों के इंजन और पार्ट्स भी बरामद किए हैं।13 जून को गुलाब बंजारा निवासी अलवर ने गलतागेट थाने में रिपोर्ट दी थी कि उसकी हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक (RJ-02-QB-6130) 3 जून को दिल्ली बाईपास रोड, श्मशान घाट के पास से चोरी हो गई थी। इस पर थाना गलतागेट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी उदय सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने आरोपी मोहम्मद हुसैन उर्फ चांद को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त का नाम मोहम्मद हुसैन उर्फ चाँद पुत्र मोहम्मद शहीद निवासी, ईदगाह, जयपुर है। मुल्जिम के कब्जे से चोरी की हुई मोटरसाईकिल हीरो स्प्लेण्डर प्लस एवं अन्य मोटरसाईकिलों के पार्ट्स बरामद किए गए हैं, जिनमें 1. एक इंजन जिसका नंबर HA11EPJ4J05911 है, 2. एक इंजन जिसका नंबर HA10EA8HK24042 है, एवं 3. एक मोटरसाईकिल की काली रंग की टंकी शामिल है।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अन्य वारदातों में शामिल होने की बात भी कबूली है, जिस पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

ज्वैलर्स की दुकान में डकैती की कोशिश नाकाम, छह आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। बजाज नगर थाना इलाके में अर्जुन नगर अंडरपास के पास स्थित (P-5 ज्वैलर्स) की दुकान पर लूट की कोशिश का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व आईपीएस तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 16 जून को हुई इस वारदात में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने किराये की कार लेकर दुकान की दो दिन तक रैकी की और लूट की योजना बनाई थी, लेकिन दुकानदार की सजगता से वारदात विफल रही। पुलिस ने बताया कि जिला स्पेशल टीम और थाना बजाज नगर की संयुक्त टीम ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर आरोपियों को चिन्हित किया। आरोपियों ने हुंडई ओरा कार (RJ14TF7876) को वारदात में इस्तेमाल किया, जिसे भी बरामद कर लिया गया है। मुख्य आरोपी कन्हैया मौर्य ने अपने साथियों को गाजियाबाद से बुलाकर घटना से एक दिन पहले जयपुर बुलाया था। वारदात के दिन आरोपियों ने दुकान के पास किराना की दुकान पर बैठकर रेकी की, जैसे ही दुकान खाली हुई, तीन आरोपी दुकान में घुस गए और दुकानदार को काबू करने की कोशिश की, लेकिन दुकानदार की सतर्कता से आरोपी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए और मौके से फरार हो गए। भागते समय आरोपियों ने कार की नंबर प्लेट हटा दी थी ताकि पहचान न हो सके, बाद में प्लेट लगाकर गाजियाबाद भाग गए। इस दौरान पुलिस द्वारा कन्हैया मौर्य (21), गाजियाबाद (हाल निवासी महेश नगर, जयपुर), राहुल यादव (21), गाजियाबाद, शिवम प्रजापति उर्फ शुभम (19), गाजियाबाद, रितिक भारती (24), गाजियाबाद, सुदेश कुमार (19), गाजियाबाद संदीप कुमार (21), गाजियाबाद को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी कन्हैया मौर्य और उसके साथी ऑनलाइन गेमिंग और सट्टे में भारी रकम हार चुके थे, जिस कारण कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने लूट की योजना बनाई थी। आरोपियों ने महेश नगर स्थित कन्हैया के घर के पास स्थित ज्वैलरी शॉप को निशाना बनाया था।कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आशाराम चौधरी, सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य पुनिया, थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में जिला स्पेशल टीम और थाना बजाज नगर की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। गिरफ्तारी में हेड कांस्टेबल तुलसीराम, हेमंत, देवेंद्र, उदय, हारूराम, रामावतार कांस्टेबल की विशेष भूमिका रही।

पुलिस की दबिश, 93 संदिग्ध गिरफ्तार, 4 शराब तस्कर पकड़े, 5 वाहन जब्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों और अवैध रूप से रह रहे संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ शुक्रवार को प्रताप नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने इलाके में दबिश देकर 93 संदिग्ध व्यक्तियों को शांतिभंग की आशंका में गिरफ्तार किया। साथ ही आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 4 प्रकरण दर्ज कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दबिश के दौरान 5 वाहनों को भी जब्त किया। डीसीपी जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर शहर में अवैध रूप से निवासरत संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान व कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इसके तहत प्रताप नगर थाना इलाके में द्वारकापुरी और अन्य स्थानों पर दबिश दी गई। यह कार्रवाई थानाधिकारी मनोज कुमार बेरवाल के नेतृत्व में की गई। अभियान में प्रताप नगर, रामनगरिया थाना पुलिस और पुलिस लाइन के जाप्ते ने भाग लिया। टीमों ने संदिग्ध व्यक्तियों के सत्यापन और किरायानामा जांच की, जिनमें बिना सत्यापन रह रहे व्यक्तियों की भी जांच की गई।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

इज़्ज़त भी गई, पैसा भी खर्च हुआ और मनमानी भी नही हो पाई अमेरिका की!

अमेरिका की जो इज्जत इजराईल-ईरान युद्ध से पहले हुआ करती थी अब वैसी नही रही। करीब 80 वर्षों में अमेरिका ने विश्व में जो मनमानी का राज कायम किया था, वह अब खत्म होने के कगार पर पहुंच गया है। इजराईल अमेरिका का एक प्रॉक्सी संगठन (देश) है जिसके जरिये मध्य पूर्व के मुस्लिम देशों को दवाब में रखता था। कई मुस्लिम देशों में अमेरिका की कठपुतली शासक सत्ता संभाल रहे हैं। यह शासक बिना अमेरिका की मर्जी से एक कदम भी नहीं बढ़ा सकते हैं। एक देश जिसकी स्थापना फिलिस्तीन की जमीन पर हुई थी। उसी फिलिस्तीन देश को इजराईल ने बर्बाद कर दिया। फिलिस्तीनी अपनी आज़ादी के लिए संघर्ष करते रहे और इजराईल की सेना उन पर अत्याचार करती रही। आज़ादी की लड़ाई में इजराईल ने करीब लाखों फिलिस्तीनी बच्चों, महिलाओं और मर्दों की हत्या करदी। लेकिन अमेरिका का संरक्षण मिलने के कारण इजराईल का कोई भी देश और अंतर्राष्ट्रीय एंजेसिया कुछ नहीं बिगाड़ पायी। यूरोपीय और अन्य देश फिलिस्तीनियों की हत्याओं को इजराईल का अपनी सुरक्षा के लिए उठाए कदम बताते रहें। इजराईल ने अमेरिका के आदेश पर दर्जनों मुस्लिम देशों में पिछले 50 वर्षों में लड़ाकू विमानों, मिसाईलो एवं ड्रोन से हमले किए। किसी भी मुस्लिम देश में इजराईल के हमलों का पलटवार करने की हिम्मत नही थी और न ही शक्ति थी। जब भी कुछ मुस्लिम देशों ने पलटवार कर इजराईल को जबाव देने की कोशिश की तुरंत अमेरिका ने उस देश को धमका दिया। यही कारण है कि कई मुस्लिम देश गुपचुप तरीके से इजराईल और अमेरिका का मुकाबला करने के लिए अन्दरखाने तैयारी करते रहे। इनमें ईरान और तुर्किए प्रमुख देश हैं। ईरान और तुर्किए ने केवल अपने-अपने देशों में ही तैयारी नहीं की बल्कि दूसरे देशों एवं संगठनों को भी सैन्य तकनीक उपलब्ध करवायी। ईरान ने फिलिस्तीनी संगठन हमास, लेबलान के हिजबुल्ला और यमन के हूती एवं कुछ इराकी संगठनो को सैन्यरूप से मजबूत किया। इसी तरह तुर्की ने पाकिस्तान, सीरिया, अजरबेजान, बांग्लादेश, मालदीव, इंडोनीशिया, मलेशिया आदि देशों को सैन्य मजबूती दी। वर्तमान में तुर्किए को ईरान से भी ज्यादा ताकतवर माना जा रहा है। क्योंकि तुर्किए का विश्व के 60 प्रतिशत ड्रोन मार्केट पर कब्जा है। तुर्किए ने 5वीं पीढ़ी का फाईटर विमान कान का निर्माण कर लिया है जो विश्व के कुछ ही देश बना पाए हैं। ईरान की सैन्य तैयारियों का अंदाजा इजराईल और अमेरिका नही लगा पाए। ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता विश्व में सबसे ज्यादा ताकतवर निकलकर सामने आयी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा भी कि यदि में युद्ध विराम नही करवाता तो इजराईल पूरी तरह बर्बाद हो जाता। ईरान विश्व में एक मात्र ऐसा देश उभरकर सामने आया है जो अमेरिका की मनमानी नहीं चलने देता है। ईरान ही एक मात्र देश है जिसने अमेरिका के हमलों के जवाब में पलटवार किया और कतर, बहरीन और ईराक में अमेरिका के सैन्य अड्डों को मिसाइलों से उड़ा दिया। अमेरिका ईरान की मिसाइलों से डर गया। ईरानी मिसाइलों को रोकने के लिए और इजराईल की सुरक्षा के लिए अमेरिका ने अपनी इंटरसेप्टर मिसाइलों पर करीब 70 हजार करोड़ रुपए खर्च किये। माना यह भी जा रहा है कि यदि युद्ध 10 दिन और चलता तो इजराईल पूरी तरह बर्बाद हो चुका होता और अमेरिका कंगाल हो जाता।

डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर ठगी: डर, अविश्वास और तंत्र की खामियां

आज का भारत डिजिटल युग में प्रवेश कर चुका है, जहां सुविधा के साथ-साथ ठगी के नए-नए रास्ते भी खुलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में एक नया साइबर अपराध सामने आया है – "डिजिटल अरेस्ट"। इसमें अपराधी खुद को सीबीआई अधिकारी, एनआईए एजेंट या यहां तक कि जज बताकर लोगों को वीडियो कॉल पर धमकाते हैं, उन्हें फर्जी अपराधों में फंसाने की धमकी देते हैं, और फिर लाखों-करोड़ों की ठगी कर लेते हैं। लेकिन यह ठगी केवल तकनीक की नहीं, बल्कि व्यवस्था पर जनता के डर और अविश्वास की ठगी है। लोगों को लगता है कि पुलिस या एजेंसियाँ निर्दोष को भी आसानी से फंसा सकती हैं और न्यायालय भी अक्सर उन्हीं की बातों पर विश्वास कर लेता है। यह डर ही अपराधियों का सबसे बड़ा हथियार बन गया है।

साइबर ठगों की रणनीति: कैसे फंसाते हैं जाल में?

पहला कॉल: पीड़ित को किसी अज्ञात नंबर से कॉल आता है। कॉल करने वाला खुद को डाक विभाग, कूरियर सेवा या बैंक से जुड़ा कर्मचारी बताता है और कहता है कि किसी अवैध चीज़ (जैसे ड्रग्स, पासपोर्ट, संदिग्ध पैकेट) का भेजना आपके नाम से हुआ है।

दूसरा कदम: कॉल को तुरंत किसी "सीबीआई अधिकारी" या "जज" से जोड़ दिया जाता है, जो वीडियो कॉल पर सरकारी पोशाक में होता है (deepfake/AI-generated visuals)। अब डराने का काम शुरू होता है।

डिजिटल अरेस्ट: कहा जाता है कि आप अभी 'डिजिटल अरेस्ट' में हैं – आपको कैमरे के सामने ही रहना होगा। बातों-बातों में बैंक डिटेल्स, OTP, UPI ट्रांसफर या वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिये ठगी कर ली जाती है।

आख़िर क्यों फंस जाते हैं पढ़े-लिखे लोग भी?

व्यवस्था का भय: लोगों में यह धारणा गहराई से बैठी है कि अगर एक बार पुलिस या सीबीआई का नाम आ गया, तो बेगुनाही साबित करने में सालों लग सकते हैं।

न्यायिक प्रक्रिया पर अविश्वास: आमजन को लगता है कि अदालतें शुरू में एजेंसियों की बातों को प्राथमिकता देती हैं। ऐसे में बेगुनाह भी दोषी मान लिया जाता है। मानसिक दबाव और शर्म: डिजिटल कैमरे के सामने बैठा व्यक्ति जब खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश करता है और सामने वाला उसे धमकाता है, तो वह खुद को 'गुनहगार' मानने लगता है।

कुछ चौंकाने वाले उदाहरण:

मुंबई की महिला से 1.5 करोड़ की ठगी – एक साइबर अपराधी ने खुद को एनसीबी अधिकारी बताकर कहा कि महिला का आधार नंबर ड्रग्स तस्करी से जुड़ा है।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर उसे 3 दिन तक वीडियो कॉल पर बैठाकर धीरे-धीरे खाते से पैसे निकलवा लिए गए। दिल्ली में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 75 लाख की ठगी – सीबीआई अधिकारी बनकर आरोप लगाया गया कि उसके खाते से देशविरोधी फंडिंग हुई है। डर से उसने खुद ही ठगों के कहने पर कई ट्रांजैक्शन कर दिए।

समस्या की जड़: अविश्वास और डर भारत की व्यवस्था में आम आदमी को न्याय पाने की प्रक्रिया कठिन और महंगी लगती है। उसे लगता है कि पुलिस चाहे तो किसी को भी उठा सकती है।

अदालतें एजेंसियों की बातों को ही सही मान लेती हैं। सरकारी एजेंसियों से टकराने का मतलब जीवन बर्बाद हो जाना है। यही मानसिकता अपराधियों को मौका देती है कि वो 'सरकारी एजेंसी' के नाम का दुरुपयोग कर लोगों से पैसा ऐंठ लें।

समाधान क्या हो सकता है?

लोगों को यह समझाना ज़रूरी है कि कोई भी सरकारी एजेंसी कभी भी वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी नहीं करती। डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है।

प्रारंभिक कानूनी सहायता और परामर्श केंद्र:

हर जिले में ऐसी हेल्पलाइन होनी चाहिए जो तुरंत नागरिकों को इस तरह की धमकियों से निपटने की सलाह दे सके।

पुलिस और न्यायालयों का आत्ममंथन:

आम आदमी में विश्वास लाने के लिए पुलिस को जवाबदेह और पारदर्शी होना पड़ेगा। न्यायालयों को भी प्रारंभिक सुनवाई में संतुलन बनाए रखना होगा, ताकि एजेंसियों की बात अंतिम सच न मानी जाए।

स्कूल स्तर पर डिजिटल साक्षरता: बच्चों को शुरू से सिखाया जाए कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या धमकी से कैसे निपटें।

बसंत हरियाणा
महासचिव
राजस्थान नागरिक मंच

भारतीय मुसलमानों में विषमताएं

भारतीय मुसलमानों के हालात और समाजी हैसियत के बारे में सोच व फ़िक्र की ज़रुरत काफी अरसे से रही है। इसी सिलसिले में बी बी सी की फ़राह नक़वी लेखिका के एक लेख 25 मई 2018 के अनुसार 17 करोड़ 20 लाख की आबादी ब्रिटेन, स्पेन और इटली की है। जबकि भारत में इतने ही मुसलमान रहते हैं। ये दुनिया के किसी भी देश में मुसलमानों की तीसरी सबसे ज़्यादा बड़ी आबादी है। हिंदुस्तान के मुसलमानों में जितनी विविधता देखने को मिलती है, वो किसी और देश के मुसलमानों में नहीं दिखती। पिछले सैंकड़ों सालों में हिंदुस्तान के मुसलमानों ने खान-पान, शायरी, संगीत, मोहब्बत और इबादत का साझा इतिहास बनाया और जिया है, इस्लामिक उम्मत, दुनिया के सारे मुसलमानों को एक बताती है, यानि इसके मानने वाले सब एक हैं। लेकिन भारतीय मुसलमान जिस तरह आपस में बंटे हुए हैं, वो इस्लाम के इस बुनियादी उसूल को ही नकारता है। हिंदुस्तान में मुसलमान, सुन्नी, शिया, बोहरा, अहमदिया और न जाने कितने फ़िरक़ों में बंटे हुए हैं।

डिजिटल एडिटर, बीबीसी हिंदी सेवा के राजेश प्रियदर्शी के एक लेख दिनांक 23 मई 2018 के मुताबिक पुर्तगाल, हंगरी, स्वीडन और ऑस्ट्रिया की आबादी कुल - चार करोड़ तकरीबन है और भारत के सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में तकरीबन इतने ही मुसलमान बसते हैं। अब सोचिए, चार करोड़ मुस्लिम लोगों की मौजूदा लोकसभा में कोई नुमाइंदगी नहीं है। यह बात अपने आप में पर्याप्त चिंता और चर्चा की होनी चाहिए।

लेकिन भारत में मुसलमानों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा कहीं नहीं है। बात ग़ौरो फिक्र की है, मुस्लिम समुदाय के आने वाले मुस्तकबिल की है। जैसे गुजरात में पिछले ढाई दशक से सत्ता पर काबिज सरकार ने 2017 के विधानसभा चुनाव में एक भी मुसलमान उम्मीदवार खड़ा नहीं किया। जबकि राज्य में मुसलमानों की आबादी लगभग नौ प्रतिशत है। इस तरह की राजनीति ने मुसलमानों के वोट और उनकी राजनीति को बेमानी बना दिया है। फिर भी मुसलमानों में कोई फ़िक्र नहीं है, ऐसा लगता है कि सब सोए हुए हैं या किसी के इन्तजार में बैठे हैं कि उनके हालात कोई आएगा और सुधार देगा।

भारतीय मुसलमानों में एक और समस्या भी है जिसके मूल में छुआ-छूत का प्रभाव महत्वपूर्ण है। इस सन्दर्भ में बीबीसी के संवाददाता सौतिक बिस्वास ने अपने लेख 10 मई 2016 मे छुआ-छूत पर प्रकाश डाला है और कहा है कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के अनुसार "छुआ-छूत गुलामी से भी बदतर है"। भारत में दलित (जिन्हें पहले अछूत कहा जाता था) सबसे ख़राब स्थितियों में जीते हैं, क्योंकि जाति व्यवस्था उन्हें समाज में सबसे निचले स्थान पर रखती है। हालांकि भारत में छुआ-छूत के बहुत सारे प्रमाण हैं और इस पर बहुत चर्चा भी हुई है और इस दिशा में बहुत काम भी हुआ है। लेकिन भारत के मुसलमानों के बीच छुआ-छूत पर बमुश्किल ही बात की गई है। इसकी एक वजह तो यह है कि इस्लाम में जाति नहीं है और यह समानता और समतावाद को बढ़ावा देता है। भारत के लगभग 14 करोड़ मुसलमानों में से ज़्यादातर स्थानीय हैं, जिन्होंने धर्म परिवर्तन किया है। अधिकतर ने उच्च जातियों के उत्पीड़न से बचने के लिए इस्लाम धर्म ग्रहण किया। सामाजिक रूप से पिछड़े मुसलमानों के एक संगठन के प्रतिनिधि एजाज़ अली के अनुसार वर्तमान भारतीय मुसलमान की 75 फ़ीसदी दलित आबादी इन्हीं की है, जिन्हें दलित मुसलमान भी कहा जाता है। दलित मुसलमानों के घर न जाते हैं, न खाते हैं', शादी ब्याह का व्यवहार भी सामान्यतः नहीं करते हैं।

'दलित मुसलमानों' के एक उल्लेखनीय तबके ने कहा कि उन्हें ऐसा महसूस होता है कि उनके समुदाय को छोटे काम करने वाला समझा जाता है। 'दलित मुसलमानों' से जब उच्च जाति के मुसलमानों के घरों के अंदर अपने अनुभव साझा करने को कहा गया तो तकरीबन 13 फ़ीसदी ने कहा कि उन्हें उच्च जाति के मुसलमानों के घरों में अलग व्यवहार का अनुभव रहा ।

इसी तरह करीब 20 फ़ीसदी प्रतिभागियों को लगा कि उच्च जाति के मुसलमान उनसे दूरी बनाकर रखते हैं और 25 फ़ीसदी 'दलित मुसलमानों' के साथ छुआ-छूत वाला बर्ताव रहा।जिन गैर-दलित मुसलमानों से बात की गई उनमें से करीब 27 फ़ीसदी की आबादी में कोई 'दलित मुसलमान' परिवार नहीं रहता था । 20 फ़ीसदी ने दलित मुसलमानों के साथ किसी तरह की सामाजिक संबंध होने से इनकार किया और जो लोग 'दलित मुसलमानों' के घर जाते भी हैं उनमें से 20 फ़ीसदी उनके घरों में ज्यादा रुकते नहीं और 27 फ़ीसदी का व्यवहार भी छूआ-छूत वाला रहा समानता का नहीं था। गैर-दलित मुसलमानों से पूछा गया था कि वह जब कोई दलित मुसलमान उनके घर आता है तो क्या होता है। इस पर 20 फ़ीसदी ने कहा कि कोई 'दलित मुसलमान' उनके घर सामान्यतः नहीं आता और जिनके घऱ 'दलित मुसलमान' आते भी हैं उनमें से कम से कम एक तिहाई ने कहा कि 'दलित मुसलमानों' के साथ भी समानता वाला व्यवहार नहीं होता है। यह और बात है कि इबादत में किसी प्रकार की कोई छुआ-छूत नहीं देखी जाती है।भारत में जाति के आधार पर भेदभाव सभी धार्मिक समुदायों में मौजूद है- सिखों में भी, पारसी ही शायद अपवाद है। इससे सबक यह मिलता है कि भारत में भले ही आप जाति छोड़ दें, लेकिन जाति आपको नहीं छोड़ती।

फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)

मुस्लिम छात्र भारतीय शिक्षा में सफलता को कैसे नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं

भारत में मुस्लिम छात्र बाधाओं को तोड़कर और अकादमिक और प्रतियोगी परीक्षाओं में मानकों को ऊपर उठाकर, विशेष रूप से पेशेवर क्षेत्रों में, अकादमिक उपलब्धि की कहानी को नया रूप दे रहे हैं। ग्रामीण मदरसा पृष्ठभूमि और महानगरीय कोचिंग केंद्रों दोनों से असाधारण छात्र उभर रहे हैं, जो लंबे समय से चली आ रही रूढ़ियों को पार कर रहे हैं। उनकी सफलता गहरी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता, मजबूत सामुदायिक समर्थन और सामाजिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देने के दृढ़ संकल्प से उपजी है। हाल ही में NEET UG के नतीजे एक आकर्षक उदाहरण पेश करते हैं। गुवाहाटी के एक मुस्लिम छात्र मूसा कलीम ने 99.97 प्रतिशत अंक हासिल किए - 42,000 से अधिक आवेदकों में असम में सबसे अधिक अंक। 2024 में, 2.08 मिलियन से अधिक छात्र NEET के लिए उपस्थित हुए, जिनमें से लगभग 1.15 मिलियन उत्तीर्ण हुए। यह दर्शाता है कि कैसे कई मुसलमानों सहित सभी पृष्ठभूमि के छात्र उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मुंबई के एक वंचित परिवार की उर्दू माध्यम की छात्रा अमीना आरिफ कडीवाला ने भी NEET UG 2024 में अच्छा स्कोर हासिल किया है। उनकी उपलब्धि ने कई लोगों को प्रेरित किया और एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य किया कि न तो भाषा और न ही सामाजिक स्थिति सफलता के लिए बाधा है। ये सफलता की कहानियाँ आकस्मिक नहीं हैं - वे निरंतर कड़ी मेहनत और सामुदायिक प्रोत्साहन में निहित हैं। असम के मूसा ने अपने प्रदर्शन का श्रेय अनुशासित दिनचर्या, कोचिंग और परिवार के अटूट समर्थन को दिया है। नागपुर की एक मुस्लिम लड़की मुबाशिरा अंजुम ने मदरसा और एक नियमित स्कूल दोनों में भाग लेते हुए अपनी कक्षा 12 की परीक्षा में सफलता प्राप्त की। उनकी उपलब्धि दर्शाती है कि कैसे परिवारों, छात्रों और सामुदायिक संस्थानों के बीच सहयोग भाषा अवरोधों जैसी बाधाओं को दूर करने में मदद कर सकता है। सफलता की कहानियाँ जितनी प्रेरक हैं उतनी ही विविध भी हैं। अरीबा उमर हंगोरा और मोमिन मुआज़ ने महाराष्ट्र की HSC परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे यह साबित हुआ कि धार्मिक शिक्षा और अकादमिक उत्कृष्टता एक साथ रह सकती है भारत की पहली महिला मुस्लिम न्यूरोसर्जन मरियम अफ़ीफ़ा अंसारी जैसी अग्रणी महिलाएँ मुस्लिम महिलाओं के उभरने का उदाहरण हैं जो कुलीन व्यवसायों में साहसिक रास्ते अपना रही हैं। यूपी के सरस्वती विद्या मंदिर के प्रिंसिपल युगुल किशोर मिश्रा द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि तीन वर्षों में मुस्लिम नामांकन में 30% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो जुड़ाव और आकांक्षा के व्यापक रुझान को रेखांकित करता है। इस बात के बढ़ते प्रमाण हैं कि भारतीय संस्थान इन महत्वाकांक्षी छात्रों का समर्थन कर रहे हैं। अल्पसंख्यक और वंचित समुदायों को लाभ पहुँचाने के लिए सरकारी योजनाएँ, छात्रवृत्तियाँ और आरक्षण नीतियाँ बनाई गई हैं। उच्च शिक्षा में कम प्रतिनिधित्व के बावजूद-मुस्लिम नामांकित छात्रों का केवल 4.6% हिस्सा बनाते हैं सरकार, गैर सरकारी संगठनों और आस्था आधारित संगठनों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों से शिक्षा तक पहुँच में सुधार हो रहा है और महत्वाकांक्षा को बढ़ावा मिल रहा है। मुस्लिम सफल व्यक्तियों का उदय भारत के अल्पसंख्यक समुदायों के इर्द-गिर्द की कहानी में बदलाव को दर्शाता है। आज छात्र भाषा, धर्म और आर्थिक बाधाओं को पार करते हुए दृढ़ संकल्प और समर्थन के साथ अपेक्षाओं को चुनौती दे रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत जैसे क्षेत्रों में, मूसा कलीम जैसे सफल व्यक्ति स्थानीय प्रतीक बन गए हैं, जो स्कूलों और नीति निर्माताओं को अधिक समावेशी शिक्षण वातावरण बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जबकि असमानताएँ बनी हुई हैं - उदाहरण के लिए, 2022 में सफल UPSC उम्मीदवारों में मुसलमानों की संख्या केवल 2.9% थी - NEET और बोर्ड परीक्षाओं में टॉप करने वालों की बढ़ती संख्या बताती है कि आधारभूत प्रगति हो रही है। लगातार कोचिंग और छात्रवृत्ति पहलों का कार्यान्वयन एक आशाजनक प्रक्षेपवक्र का संकेत देता है। भारत एक ऐसे महत्वपूर्ण क्षण पर खड़ा है जहाँ सभी पृष्ठभूमि के छात्रों को सशक्त बनाना इसकी पूरी क्षमता को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण है। अमीना, मूसा, मुबाशिरा और कई अन्य लोगों की कहानियों को अलग-थलग जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वे मार्गदर्शन, वित्तीय सहायता, सामूहिक विश्वास और अथक महत्वाकांक्षा से प्रेरित एक नए शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र के उदय को चिह्नित करते हैं। मुस्लिम छात्र न केवल भारत में शैक्षणिक सफलता को फिर से परिभाषित कर रहे हैं - वे एक बहुलवादी, योग्यता आधारित समाज में शामिल होने का क्या मतलब है, इसकी फिर से कल्पना कर रहे हैं। उनकी यात्रा यह साबित करती है कि जब अवसर दृढ़ संकल्प से मिलता है तो उत्कृष्टता किसी भी कोने से उभर सकती है। ये छात्र हमें दिखाते हैं कि एक विविध और लोकतांत्रिक भारत का भविष्य हर बच्चे की क्षमता को अनलॉक करने में निहित है, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो।

अब्दुल हफीज बरकतउल्लाह भारत के गुमनाम नायक

अनेक मामलों में भारत के मुसलमानों की देश के प्रति वफादारी पर सवाल उठाया जाता है। ज्यादातर लोग यह भूल गए कि भारत की आजादी के लिए उन्होंने भी समान रूप से योगदान दिया था उन्होंने भी द्विराष्ट्र सिद्धांत को नकारा तथा ज्यादा मुस्लिम बाहुल्य आबादी वाले देश में जाने के बजाय भारत में ही रहने का निर्णय लिया यह जो उन्होंने दूसरों के लिए नही बल्कि यह तो उन्होंने अपने मुल्क से मोहब्बत के लिए किया जो बिना शक भारत था। इतिहास में ऐसे हजारों मुसलमान नाम है जिन्होंने कौमी रूढ़िवादिता पर मुल्क की मोहब्बत को वरीयता दी है। ऐसा ही एक इंसान जिसने अपना संपूर्ण जीवन मुल्क के लिए लगा दिया तथा अपने प्राणों की आहुति दे दी अब्दुल हफीज मोहम्मद बरकतुल्ला है जो एक भारतीय क्रांतिकारी थे जिन्हें अपने अंग्रेज विरोधी रुख के लिए जाना जाता था उन्हें मौलाना बरकतउल्ला की सम्मान सूचक उपाधि भी दी गई थी, तथा भोपाल विश्वविद्यालय का नाम बदलकर उनके नाम पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय रखा गया था। भारतीयों के रूप में हम सभी को इस के विविध समुदाय तथा इस तथ्य पर गर्व होना चाहिए कि सभी ने अंग्रेजों के विरुद्ध खून पसीना बहाया और भारत को आजाद करवा कर इसे वह बनाया जो यह आज है मुसलमान होने के कारण बरकतउल्ला भारत को आजाद करवाने के एक पूर्ण इस्लामिक मुहिम तैयार करने में सहायक रहे वह भारत की आजादी के लिए बहादुरी से लड़े, यह दुखद था कि भारत को आजादी प्राप्त होने से पहले उनका इंतकाल हो गया परंतु यह पता चलता है कि उनके जैसे मुसलमान भारत की आजादी के लिए बिना किसी अपेक्षा निस्वार्थ भाव से कैसे लड़े तथा अपनी उम्मीद की लौ जलाए रखी। उनके जैसे महान और परोपकारी व्यक्तियों के कारण ही भारत आजाद हुआ यह उनका अपमान होगा यदि भविष्य की पीढ़ियों के रूप में हम उनके द्वारा दिए गए बलिदान का सम्मान ना करें और आपस में सिर्फ इसलिए लड़ाई लड़े कि कुछ राजनीतिक नेताओं ने यह तय कर लिया है कि हमें लड़ना चाहिए इसमें कोई संदेह नहीं कि अशांति फैलाने वाले लोग दोनों पक्षों में हैं परंतु अधिकांश मुसलमान अपने देश के हित के लिए अपनी सुरक्षा के लिए अपना बलिदान देने में पीछे नही हटेंगे। हम अलग अलग राजनीतिक और सामाजिक विचारधारा में विश्वास करते हैं परंतु जब देश की सुरक्षा की बात आती है तो हमने से कोई भी सभी सीमाओं की रक्षा करने में डरेगा नहीं क्योंकि हम दिल से एक ही है हमारा भाग्य और हमारा भविष्य हम पर निर्भर करता है कि हम भारत को कैसे आगे ले जाते हैं यदि फिर भी हम बहुत लड़ना चाहते हैं तो हमें उन ताकतों से लड़ना चाहिए जो हमें बांटती है। विज्ञान, कला, अर्थशास्त्र और ऐसे ही अन्य विषयों के पक्ष में लड़ना चाहिए। इसलिए यह हमारी सुनिश्चित जवाबदेही बन जाती है कि अन्य समुदायों के साथ इस देश के मुसलमानों द्वारा दी गई कुर्बानियों को हम याद रखें तथा अमन और मेल-जोल के लिए कार्य करें और जैसा कि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साहब ने सही कहा है कि 'यदि हम अपनी जवान पीढ़ी को एक उन्नत और सुरक्षित भारत देश सके जो नागरिक सभ्यता की विरासत के साथ आर्थिक समृद्धि का परिणाम हो तो ही हमें याद रखा जाएगा'।

परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद: 8 टैंक उड़ाकर मिटा दिए पाक के मंसूबे

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा

भारत के इतिहास में कुछ नाम ऐसे दर्ज हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को साहस, शौर्य और राष्ट्रप्रेम की मिसाल देते रहेंगे। उन्हीं में एक नाम है परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद, जिन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध में असाधारण वीरता और सूझबूझ दिखाते हुए पाकिस्तान के अत्याधुनिक पैटन टैंकों को ध्वस्त कर पाकिस्तान के मंसूबों को नेस्तनाबूद कर दिया। उनके अदम्य साहस, सैन्य सूझबूझ और सर्वोच्च बलिदान ने न सिर्फ भारतीय सेना को विजय दिलाई बल्कि समाज समेत हर भारतीय को गर्व करने का अवसर दिया।

वीर अब्दुल हमीद का जन्म 1 जुलाई 1933 को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के धामूपुर गांव में हुआ। उनके पिता मोहम्मद उस्मान पेशे से दर्जी थे। गांव में एक साधारण परिवार में जन्मे हमीद बचपन से ही अलग थे। उनकी शरारतों में भी एक दिलेरी और निडरता दिखती थी। उनका पढ़ाई में ज्यादा मन नहीं लगता था लेकिन निशानेबाजी, कुश्ती और तैराकी में उन्हें खास दिलचस्पी थी। गांव में उनके निशाने की तारीफ हर कोई करता था।

एक बार गांव में बाढ़ के दौरान उन्होंने डूबती हुई दो लड़कियों की जान बचाई। जब गांव में दबंगों ने एक गरीब किसान की फसल काटने की कोशिश की, तब हमीद ने अकेले उनसे मुकाबला किया। बचपन में ही उनके अंदर अन्याय के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत, साहस और नेतृत्व के गुण दिखने लगे थे।

बचपन से ही उनके मन में देश की सेवा का सपना पल रहा था। 20 साल की आयु में 27 दिसंबर 1954 को बनारस में भर्ती केंद्र से वह भारतीय सेना में शामिल हुए। उन्हें 4 ग्रेनेडियर्स रेजीमेंट की चौथी बटालियन में तैनाती मिली। सेना में उनकी पोस्टिंग अमृतसर, जम्मू-कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली और आगरा समेत कई महत्वपूर्ण स्थानों पर हुई।

1962 के भारत-चीन युद्ध में नमका-छू की लड़ाई में वह वीरता से लड़े और घायल होने के बावजूद झंडा फहराया। उनकी पत्नी रसूलन बीबी बताती थीं कि वह जंगल में भटक गए थे और पत्ते खाकर खुद को जीवित रखा। 1965 में पाकिस्तान ने अमेरिका निर्मित अत्याधुनिक M47 और M48 पैटन टैंकों से भारत पर हमला कर पंजाब पर कब्जा कर दिल्ली तक पहुंचने का मंसूबा बनाया। उनका सपना था कि वे पंजाब को अलग कर देंगे।

8 सितंबर 1965 को खेमकरण सेक्टर में पाकिस्तान ने हमला किया। भारतीय सेना ने रणनीति के तहत असल उत्तर गांव में डिफेंस लाइन बनाई। उस समय अब्दुल हमीद कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार के पद पर तैनात थे।

उनके पास केवल एक 106 मिमी रिकॉइललेस राइफल लगी जीप थी। उन्होंने अपनी जीप खेतों में छिपाई और पाकिस्तानी पैटन टैंकों पर सटीक निशाना साधना शुरू किया।

पाकिस्तानी सेना के पास शक्तिशाली 90 मिमी की तोप, उन्नत फायर कंट्रोल सिस्टम और बख्तरबंद टैंक थे, लेकिन अब्दुल हमीद ने अपने साहस और सूझबूझ से उनके कमजोर बिंदुओं पर सटीक फायर किया। उन्होंने 8 पैटन टैंकों को ध्वस्त कर दिया और 9वें टैंक को निशाना बनाते समय दुश्मन के गोले से वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी इस वीरता ने पाकिस्तान के सपनों को चकनाचूर कर दिया। पाकिस्तान को मजबूरन पीछे हटना पड़ा और असल उत्तर पैटन टैंकों का कब्रिस्तान बन गया। इस लड़ाई में पाकिस्तान के 97 टैंक तबाह कर दिए गए और एक पूरी कैवेलरी रेजीमेंट बंदी बना ली गई। युद्ध में भारत ने निर्णायक विजय पाई और पाकिस्तान का घमंड टूट गया।

परमवीर चक्र और देश का सम्मान

भारत सरकार ने उनकी वीरता और सर्वोच्च बलिदान के लिए मरणोपरांत उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया। 26 जनवरी 1966 को गणतंत्र दिवस पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने उनकी पत्नी रसूलन बीबी को यह सम्मान सौंपा।

रसूलन बीबी: साहस की मिसाल

वीर अब्दुल हमीद की पत्नी रसूलन बीबी ने अपने पति के बलिदान के बाद भी साहस और आत्मसम्मान से जीवन जिया। उन्होंने अपने चार बेटों और एक बेटी की परवरिश अकेले की और अपने दो बेटों को भारतीय सेना में भेजा।

उनके प्रयासों से गाजीपुर के धामूपुर गांव में वीर अब्दुल हमीद का स्मारक बन पाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने उनके साहस को सम्मानित किया। 2 अगस्त 2019 को उनका निधन हुआ।

सम्मान और स्मृति में बने स्थल

- गाजीपुर में गंगा नदी पर पुल का नाम हमीद सेतु रखा गया।
- असल उत्तर में उनका स्मारक बनाया गया जहां हर साल मेला लगता है।
- भारतीय डाक विभाग ने उनके नाम पर डाक टिकट जारी किया।
- लखनऊ में उनके नाम पर चौक और प्रतिमा स्थापित की गई।
- अंडमान निकोबार द्वीप समूह में एक द्वीप का नाम 'अब्दुल हमीद द्वीप' रखा गया।
- NCERT ने कक्षा VI की किताब में उनके जीवन पर पाठ शामिल किया।

वीर अब्दुल हमीद ने साबित कर दिया कि वीरता और देशभक्ति जाति, वर्ग और पृष्ठभूमि नहीं देखती। एक बुनकर परिवार से आने वाले इस वीर ने पाकिस्तान के मंसूबों को चूर कर दिया और भारत को विजय दिलाई। उनकी वीरता भारतीय युवाओं में देशप्रेम और वीरता की प्रेरणा जगाती है। उनके बलिदान की कहानी बताती है कि सच्ची वीरता अटूट इरादों और देशप्रेम से पैदा होती है। शहीद अब्दुल हमीद केवल एक सैनिक नहीं, अखंड राष्ट्रवाद, साहस और शान के प्रतीक हैं। उनकी वीरता ने भारत को गौरव दिलाया और हर भारतीय को यह सीख दी कि राष्ट्र के लिए किया गया बलिदान अमर रहता है। आज भी उनके स्मारकों पर हर साल हजारों लोग श्रद्धांजलि देने आते हैं। उनकी कहानी आने वाली पीढ़ियों को यह सिखाती रहेगी कि जब इरादे मजबूत हों, तो परिस्थितियां कितनी भी मुश्किल क्यों न हों, विजय निश्चित होती है।

मुस्लिम रिश्तें

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

मुस्लिम पठान खूबसूरत लड़की 33/154 सेमी./एम.ए. (इंग्लिश लिटरेचर)/ प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत/ दीनी तालीम याफ़्ता, घर के कामों में दक्ष। वालिद प्राइवेट कम्पनी से रिटायर्ड, जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली। सुयोग्य पढ़ा-लिखा, सर्विस क्लास/ बिजनेसमेन लड़का चाहिए। इच्छुक संपर्क करें- 9672079550

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है। संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli ,
Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Princeipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

AIIMS में जूनियर रेजिडेंट की निकली भर्ती; एज लिमिट 37 साल, सैलरी 55 हजार से ज्यादा

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (AIIMS), पटना में जूनियर रेजिडेंट के पदों पर भर्ती निकली है।उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट aiimspatna.edu.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू: 16 जून से 09 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
एमसीआई/एनएमसी के मान्यता प्राप्त संस्थान से एमबीबीएस (इंटर्नशिप पूरा करने सहित) पास होना चाहिए।

एज लिमिट :
अधिकतम आयु सीमा: 37 साल
आयु में छूट सरकारी नियमों के अनुसार दी जाएगी।

सैलरी :
56,100 रुपए प्रतिमाह
इसके अलावा अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

फीस :
यूआर, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी (एनसीएल) : 1200 + जीएसटी
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति : 500 रुपए + जीएसटी
पीडब्ल्यूबीडी /महिला : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन टेस्ट के बेसिस पर

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट recruitment.aiimspatna.edu.in पर जाएं।
आवेदन करें विकल्प पर क्लिक करें।

राजस्थान में VDO के 850 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 40 साल, एग्जाम से सिलेक्शन

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB), जयपुर की ओर से ग्राम विकास अधिकारी (VDO) के 800 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार आरएसएसबी की ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। ग्राम विकास अधिकारी भर्ती प्रारंभिक परीक्षा 31 अगस्त को ऑफलाइन आयोजित होगी।

आवेदन शुरू : 19 जून से 18 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
VDO भर्ती 2025 के लिए ग्रेजुएशन लेवल की समान पात्रता परीक्षा (CET) पास होना जरूरी है।
उम्मीदवारों के पास 12th क्लास में कम्प्यूटर विषय हो या किसी मान्यता प्राप्त संस्था से कम्प्यूटर का डिप्लोमा होना जरूरी है।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी।
सामान्य वर्ग की महिला उम्मीदवार, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरूष उम्मीदवार जो राजस्थान के स्थायी निवासी हैं : 5 साल की छूट
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग,आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिला, जो राजस्थान की स्थायी निवासी है, : 10 साल की छूट

फीस :
सामान्य वर्ग, क्रीमीलेयर कैटेगरी के अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग : 600 रुपए
राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर के अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिम्स एग्जाम
मेन्स एग्जाम

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल 6 के आधार पर

एग्जाम पैटर्न :
उम्मीदवारों से भाषा ज्ञान (हिंदी व अंग्रेजी), गणित, सामान्य ज्ञान, भूगोल और प्राकृतिक संसाधन, राजस्थान से संदर्भ में कृषि व आर्थिक संसाधन, राजस्थान का इतिहास व संस्कृति और बेसिक कंप्यूटर विषय से 200 अंकों के 160 एमसीक्यू टाइप के प्रश्न पूछे जाएंगे।
परीक्षा की अवधि तीन घंटे होगी।
हर गलत उत्तर के लिए एक-तिहाई अंक की निगेटिव मार्किंग की जाएगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाएं।
ग्राम विकास अधिकारी 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
मांगी गई जानकारी दर्ज करें।
फॉर्म सब्मिट करके फीस जमा करें।
आगे की जरूरत के लिए प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें?

रणनीति
(नियमितता और सटीकता के साथ सफलता की ओर)
•यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा (पेपर-I: सामान्य अध्ययन) रणनीति
यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का पेपर-I (सामान्य अध्ययन) व्यापक और गहन है, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के विषयों से लेकर इतिहास, भूगोल, राजव्यवस्था, अर्थशास्त्र, पर्यावरण, और विज्ञान तक शामिल हैं। यह पेपर 200 अंकों का है, जिसमें 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQ) होते हैं, और गलत उत्तर के लिए 1/3 अंक की नकारात्मक अंकन व्यवस्था है।
हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों के लिए विस्तृत अध्ययन रणनीति शुरुआती और मध्यवर्ती स्तर के अभ्यर्थियों को एक मजबूत आधार बनाने, जानकारी को बनाए रखने और परीक्षा के लिए तैयार होने में मदद करेगी।
UPSC Prelims Syllabus 2025
Paper-I: General Studies (GS)
•Marks: 200
•Duration: 2 hours
•Purpose: This paper tests a candidate's knowledge across a broad range of subjects. Marks are counted for the merit list to qualify for the Mains examination.

Syllabus in English:
1.Current events of national and international importance.
2.History of India and Indian National Movement.
3.Indian and World Geography – Physical, Social, Economic Geography of India and the World.
4.Indian Polity and Governance – Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues, etc.
5.Economic and Social Development – Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector Initiatives, etc.
6.General issues on Environmental Ecology, Biodiversity, and Climate Change – that do not require subject specialization.
7.General Science.

Syllabus in Hindi:
1.राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ।
2.भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।
3.भारतीय और विश्व भूगोल – भारत और विश्व का भौतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल।
4.भारतीय राजव्यवस्था और शासन – संवि fficial website (upsc.gov.in) along with the notification. Candidates can download the official UPSC Syllabus PDF in English and Hindi from the website.
For the most accurate and updated syllabus, candidates should refer to the official UPSC notification for 2025 at upsc.gov.in.

विस्तृत अध्ययन रणनीति
1. परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को समझें
•उद्देश्य: परीक्षा के प्रारूप, विषयों के वेटेज, और प्रश्नों की प्रकृति को समझकर प्राथमिकता तय करना।
•रणनीति:
oयूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट (upsc.gov.in) से प्रीलिम्स सिलेबस डाउनलोड करें और प्रिंट करके रखें।
oसिलेबस को छोटे-छोटे उप-विषयों में विभाजित करें:
□इतिहास: प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक भारत, स्वतंत्रता संग्राम।
□भूगोल: भौतिक (जलवायु, नदियाँ), मानव (जनसंख्या), आर्थिक (कृषि, उद्योग)।
□राजव्यवस्था: संविधान, मौलिक अधिकार, पंचायती राज।
□अर्थशास्त्र: बजट, योजनाएँ, गरीबी उन्मूलन।
□पर्यावरण: जैव-विविधता, जलवायु परिवर्तन, राष्ट्रीय उद्यान।
□विज्ञान: बुनियादी अवधारणाएँ, नवीनतम प्रौद्योगिकी।
oपरीक्षा पैटर्न:
□पेपर-I: 100 प्रश्न, 200 अंक, 2 घंटे।
□नकारात्मक अंकन: प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 अंक कटौती।
□यह पेपर मेन्स के लिए योग्यता निर्धारित करता है।
oपिछले 5-10 वर्षों के प्रश्नपत्र (हिंदी में उपलब्ध) का विश्लेषण करें:
□उच्च वेटेज वाले विषय: आधुनिक इतिहास, राजव्यवस्था, पर्यावरण।
□प्रश्नों का प्रकार: तथ्यात्मक (जैसे, संविधान की अनुच्छेद), विश्लेषणात्मक (जैसे, नीतियों का प्रभाव), समसामयिक (जैसे, नई योजनाएँ)।
टिप: सिलेबस के प्रत्येक विषय के लिए एक चेकलिस्ट बनाएँ और प्रगति को ट्रैक करें।
2. एनसीईआरटी के साथ मजबूत आधार बनाएँ
•महत्व: एनसीईआरटी पुस्तकें सरल, विश्वसनीय, और अवधारणा-आधारित हैं, जो हिंदी माध्यम के लिए आदर्श हैं।
•रणनीति:
oकक्षा 6-12 की एनसीईआरटी पढ़ें:
□इतिहास: प्राचीन भारत (कक्षा 6, 11), मध्यकालीन भारत (कक्षा 7, 11), आधुनिक भारत (कक्षा 8, 12), विश्व इतिहास (कक्षा 9-10)।
□भूगोल: भौतिक भूगोल (कक्षा 6, 11), भारत का भूगोल (कक्षा 9-12), मानव भूगोल (कक्षा 12)।
□राजव्यवस्था: भारतीय संविधान (कक्षा 11), भारत में लोकतंत्र (कक्षा 10, 12)।
□अर्थशास्त्र: भारतीय अर्थव्यवस्था (कक्षा 9-12)।
□विज्ञान: बुनियादी विज्ञान (कक्षा 6-10), पर्यावरण अध्याय (कक्षा 12 जीवविज्ञान)।

डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले "रॉयल पत्रिका" को अपने दैनिक समाचार पत्र व "रॉयल पत्रिका" डिजिटल के लिए रिपोर्टर, स्क्रिप्ट राईटर, डी टी पी ऑपरेटर और हॉकर्स (अखबार बांटने वाले) की आवश्यकता है तथा बीजेएमसी के छात्र-छात्राएं इंटर्नशिप हेतु संपर्क करें।
। वेतन योग्यतानुसार ।

इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें - संपादक, रॉयल पत्रिका, मस्जिद शेखान के सामने, घोड़ा निकास रोड, रामगंज बाज़ार, जयपुर 302002
मोबाइल: 8058969180/9799559096

आवश्यकता

खान साहब के यहां पर डीप फ्रीजर और रेफ्रिजरेटर के टेक्नीशियन स्टाफ की जरूरत है

जिनका काम आता है उनको प्राथमिकता दी जाएगी सैलरी : 15 से ₹25000 तक जॉब लोकेशन : जयपुर कॉल करें @ इरफ़ान अख्तर 9828733222 यह जॉब निशुल्क है
अगर आप में से कोई भी शख्स इस जॉब के लिए कोई स्टाफ रेफर करते हैं तो आपको लिमरा फाउंडेशन की तरफ से तोहफा अदा किया जाएगा

Hiring for 3 Junior and Senior Video Editor

Salary : 20k to 40K
Job location Jaipur
HR Irfan Akhtar 9828733222
यह जॉब निशुल्क है

फ्लूएंट इंग्लिश बोलने वाली मेल फीमेल स्टाफ की जरूरत है जो मॉर्निंग में ऑफिस जाकर पूजा पाठ करके अपना काम स्टार्ट कर सके ! सैलरी 18k से ₹ 25000 जॉब लोकेशन : सी स्कीम - जयपुर की नामी गिरामी कंपनी है फिलहाल 10 स्टाफ की जरूरत है HR Irfan Akhtar 9828733222

Work Form home Work From office Both For Fluent English Speaking Candidates For US Project Part Time Also Available

Salary : 14k-20k (With Incentive) Training Salary 75%
Timing : 6Pm to 3Pm night @ HR Irfan 9828733222
Limra Foundation

जयपुर के नामी गिरामी रेस्टोरेंट के यह सारे स्टाफ की जरूरत है
1,) कैप्टन 15 से ₹24,000
2) रेस्टोरेंट मैनेजर 25 से ₹35000
3) स्टोर इंचार्ज 16से ₹30,000
4) सर्विस और वैटर बॉय 10 से ₹16,000
5 वैलेट पार्किंग ड्राइवर - 10 से ₹16,000
Call @ HR Irfan Akhtar @ 9828733222 लिमरा फाउंडेशन
Location □ : मालवीय नगर और सी स्कीम जयपुर

Need Accountant in Adarsh Nagar
Salary First Month Training 80%
Next Month 100%
Salary ₹ 15,000 -16,000
@ 98287 33222
Limra Foundation

क्लाइंट कोऑर्डिनेशन के लिए और कस्टमर रिलेशनशिप के लिए मेल / फीमेल (Fresher) स्टाफ की जरूरत है जिनकी इंग्लिश कम्युनिकेशन अच्छी हो! जॉब लोकेशन : सीतापुरा/ प्रताप नगर @ 30K सैलरी शास्त्री नगर और सी स्कीम सैलरी ₹17 से ₹ 22,000 तक Call @ HR इरफान अख्तर 98287 33222 सिमरन हयात 94607 44122

हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री के लिए हैंडीक्राफ्ट कर्मी (हैंडीक्राफ्ट आर्टिस्ट) की जरूरत है जिनको हैंडीक्राफ्ट का पूरा काम आता हो!

सैलरी : ₹ 20K से ₹30,000 तक @ HR इरफान अख्तर @ 98287-33222

पार्ट टाइम जॉब अवेलेबल है महिलाओं के लिए! इंग्लिश बोलना आना जरूरी है, एवरेज इंग्लिश भी चल जाएगी जयपुर के नामी गिरामी स्कूलों में लड़कियों और महिलाओं के लिए पार्ट टाइम जॉब अवेलेबल है, दिन में महज 5 से 6 घंटे काम करना है मॉर्निंग में 7,8 बजे से लेकर 1:00 बजे तक काम करना है बस ! नोट : लड़कों (English Must) के लिए वर्क फ्रॉम होम अवेलेबल है

सैलरी : 12 से 15,000 तक @ Irfan Akhtar 98287-33222 लिमरा फाउंडेशन आदर्श नगर जयपुर

किसी को अपनी Etsy.com & Ebay.com की सेल बढ़ानी हो तो कांटेक्ट करें! हमारे पास Etsy.com, Ebay.com Alibaba.com, Amazon.com और सभी तरह के ई-कॉमर्स पोर्टल के एक्सपर्ट व सेल्स टीम अवैलेबल हैं HR इरफान अख्तर @ 98287 33222 लिमरा फाउंडेशन- आदर्श नगर : जयपुर

राजस्थान उच्च न्यायालय चालक भर्ती 2025 - 58 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान उच्च न्यायालय चालक भर्ती 2025 राजस्थान उच्च न्यायालय चालक (चालक) में 58 पद के लिए ऑनलाइन फॉर्म 2025 नवीनतम रिक्ति चालक की भर्ती पद वे उम्मीदवार इच्छुक हैं और सभी पात्रता पूरी करते हैं राजस्थान उच्च न्यायालय आरएचसी चालक आवेदन पत्र (राजस्थान उच्च न्यायालय) परीक्षा भर्ती 2025 के लिए भर्ती विवरण के बारे में जांचें महत्वपूर्ण तिथियां आवेदन कैसे करें आवेदन पत्र भरने के चरण रिक्ति विवरण नीचे दिया गया है

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
आरंभ तिथि: 18 जून 2025
अंतिम तिथि: 07 जुलाई 2025 शाम 5 बजे तक ही
शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि: 08 जुलाई 2025
एडमिट कार्ड डाउनलोड करें: बाद में सूचित किया जाएगा
परीक्षा तिथि: बाद में सूचित की जाएगी

आवेदन शुल्क:
सामान्य/अन्य राज्य: 750/-
ओबीसी एनसीएल / ईबीसी एनसीएल / ईडब्ल्यूएस: 600/-
एससी/एसटी: 450/-
भुगतान केवल ऑनलाइन, क्रेडिट/डेबिट कार्ड/नेट बैंकिंग के माध्यम से किया जाना चाहिए।

आयु सीमा:
(आयु गणना – 01 जनवरी 2026)
न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष
(भर्ती नियमों के अनुसार आयु में छूट अतिरिक्त)

पद का नाम : ड्राइवर (चालक)
कुल पोस्ट : 58

पात्रता :
किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं (इंटरमीडिएट) परीक्षा उत्तीर्ण और
वैध एलएमवी/ परिवहन वाहन लाइसेंस के साथ 03 वर्ष का अनुभव

आवेदन करें :
राजस्थान उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट https://hcraj.nic.in खोलें।
अब, लिंक पर क्लिक करें और राजस्थान उच्च न्यायालय ड्राइवर रिक्ति 2025 का चयन करें।
मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और अन्य बुनियादी विवरण का उपयोग करके पंजीकरण करें ।

ECIL में 125 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 30 साल, बिना एग्जाम के सिलेक्शन

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ECIL) ने आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस की भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeshipindia.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
26 जून से 07 जुलाई 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक : 50 पद
इलेक्ट्रिशियन : 30 पद
फिटर : 40 पद
इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक : 01 पद
इलेक्ट्रिशियन : 2 पद
फिटर : 2 पद
कुल पदों की संख्या : 125

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई उत्तीर्ण होना चाहिए।
साथ ही उम्मीदवारों को पद से संबंधित कार्य अनुभव भी होना चाहिए।

एज लिमिट :
अधिकतम 30 वर्ष
एससी, एसटी : 5 वर्ष की छूट
ओबीसी : 3 वर्ष की छूट

सिलेक्शन प्रोसेस :
आईटीआई में मिले अंकों के आधार पर

सैलरी :
23,368 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeshipindia.gov.in पर जाएं।
करियर सेक्शन में करंट जॉब ओपनिंग्स पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करके फॉर्म भरें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

UPSC ने 241 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 50 साल

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (UPSC) ने 241 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
28 जून से 17 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
बैचलर डिग्री, बीई
संबंधित पद के अनुसार वर्क एक्सपीरियंस

एज लिमिट :
न्यूनतम : 30 साल
अधिकतम : 50 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सैलरी :
लेवल - 8 से लेवल - 11 के अनुसार

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्यूएस, पुरुष उम्मीदवार : 25 रुपए
अन्य सभी : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
इंटरव्यू के बेसिस पर

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर दिए गए वन टाइम रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें।
मोबाइल नंबर, मेल आईडी आदि दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें।
मांगे गए डाक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट कर दें।

UPSC की 462 भर्ती के लिए आवेदन शुरू

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (UPSC) ने 400 से अधिक पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
इस भर्ती के अंतर्गत असिस्टेंट डायरेक्टर, डिप्टी सुपरिटेंडेंट हॉर्टिकल्चरिस्ट, डिप्टी आर्किटेक्ट, कंपनी प्रॉसिक्यूटर, स्पेशलिस्ट ग्रेड III असिस्टेंट प्रोफेसर, डिप्टी असिस्टेंट डायरेक्टर (नॉन-मेडिकल), डिप्टी सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर (टेक्निकल), मेडिकल फिजिसिस्ट, साइंटिस्ट 'बी' (जियोलॉजी), डिप्टी डायरेक्टर, और जूनियर माइनिंग जियोलॉजिस्ट जैसे पद भरे जाएंगे।

आवेदन शुरू :
14 जून से 3 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, बीई, बीटेक, एमबीबीएस, डीएनबी, एमफिल, पीएचडी, एमएस, एमडी, एमसीएच, डीएम की डिग्री

सैलरी :
लेवल - 8 के अनुसार

एज लिमिट :
न्यूनतम : 30 साल
अधिकतम : 45 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्यूएस, पुरुष उम्मीदवार : 25 रुपए
अन्य सभी : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर दिए गए वन टाइम रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें।
मोबाइल नंबर, मेल आईडी आदि दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें।
मांगे गए डाक्यूमेंट्स अपलोड करें।

रेलवे में 6180 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू, 10वीं पास से लेकर ग्रेजुएट्स और इंजीनियर करें अप्लाई

रेलवे भर्ती बोर्ड ने 6180 तकनीशियन के पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए 28 जून यानी आज से आवेदन शुरू हो रहे हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
28 जून से 28 जुलाई 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
तकनीशियन ग्रेड I सिग्नल : 1100 पद
तकनीशियन ग्रेड III सिग्नल : 7900 पद
कुल पदों की संख्या : 6180

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
टेक्नीशियन ग्रेड-1 (सिग्नल) :
फिजिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी (IT) या इंस्ट्रूमेंटेशन में बीएससी (B.Sc)
संबंधित विषयों में डिप्लोमा या इंजीनियरिंग डिग्री भी मान्य है।
टेक्नीशियन ग्रेड-3 :
10वीं पास
संबंधित ट्रेड में आईटीआई (ITI) या अप्रेंटिसशिप पूरी होना चाहिए।

एज लिमिट :
तकनीशियन ग्रेड I सिग्नल :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
तकनीशियन ग्रेड III :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 30 साल

फीस :
एससी/एसटी, पूर्व सैनिक, पीडब्ल्यूडी, महिला, ट्रांसजेंडर, अल्पसंख्यक या आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग : 250 रुपए
अन्य सभी उम्मीदवार : 500 रुपए

सैलरी :
19,900 - 29,200 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी परीक्षा
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल फिटनेस टेस्ट

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrbapply.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।

राजस्थान हाईकोर्ट में चपरासी भर्ती के लिए आवेदन शुरू, 5728 वैकेंसी

राजस्थान हाईकोर्ट में 5728 पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट hcraj.nic.in/hcraj/ पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
27 जून से 26 जुलाई 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
चपरासी : 5670 पद
ड्राइवर : 58 पद
कुल पदों की संख्या : 5728

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
चपरासी : 10वीं पास
ड्राइवर : 12वीं पास + ड्राइविंग लाइसेंस

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष
एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस श्रेणी के पुरुष : अधिकतम 5 वर्ष की छूट
सामान्य, ईडब्ल्यूएस श्रेणी की महिला : 5 वर्ष की छूट
एससी, एसटी, ओबीसी, महिला : अधिकतम 10 वर्ष की छूट

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

फीस :
सामान्य वर्ग, क्रीमीलेयर ओबीसी, राजस्थान के बाहर के उम्मीदवार : 750 रुपए
नॉन-क्रीमीलेयर ओबीसी, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS), अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के राजस्थान निवासी : 600 रुपए
राजस्थान राज्य के अनुसूचित जाति/जनजाति, भूतपूर्व सैनिक : 450 रुपए

सैलरी :
पहले दो साल तक : 12,400 रुपए प्रतिमाह
दो साल के बाद : 17,700 - 56,200 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट hcraj.nic.in पर जाएं।
"Recruitment" सेक्शन में जाकर 'Peon Recruitment 2025' लिंक पर क्लिक करें।

रॉयल पत्रिका मगवाने के लिए संपर्क करे
9799559096

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे कलाम की पुण्यतिथि पर बारां में होगा मुस्लिम समाज का प्रबुद्धजन सम्मेलन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। डॉ. कलाम जन सेवा संस्थान बारां की जिला बैठक बुधवार 25 जुन को डॉ.मजीद मलिक कमांडो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बेठक में आगामी 27 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर कोटा संभाग स्तरीय मुस्लिम समाज का प्रबुद्धजन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के सह संयोजक माजिद सलीम ने बताया कि इस सम्मेलन में शिक्षा, केरियर गाइडेंस, नशा मुक्ति, आपसी सौहार्द एवं भाईचारा, व्यक्तित्व निर्माण, समाज सेवा, कौमी एकता सहित अनेक विषयो पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में कोटा संभाग के लगभग 300 प्रबुद्धजन जो शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग, वकील, इंजीनियर, डॉक्टर, राजकीय अधिकारी, कर्मचारी, पेंशनर, समाज सेवी, प्रतिष्ठित एवं युवा वर्ग शिरकत करेगा। निजी आवास पर हुई इस बैठक में मांगरोल नगर पालिका की पूर्व चेयरमैन नाहीदा बेगम, पूर्व वाइस चेयरमैन अशफ़ाक अंसारी, अंता ईदगाह सदर रसूल मोहम्मद, राकमा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अशफ़ाक खान, पूर्व वक्फ चेयरमैन जाकिर मंसूरी, पूर्व चेयरमैन हाजी लियाकत अली मेव, इकबाल खान अंता, केलवाडा से शेख आबिद, छीपाबड़ौद के पूर्व सरपंच महफ़ूज़ अली, अटरू से एडवोकेट अमीनुद्दीन, बारां से मोहम्मद अशफ़ाक भैय्याजी, डॉ. मुश्ताक अहमद अंसारी, इकबाल नेता, वाजिद सलीम, शाहिद इकबाल भाटी सहित आयोजन समिति के सदस्य मोजूद रहे।

युवक कांग्रेस के कार्यक्रमों का अब ऑनलाइन ऐप के माध्यम से देना होगा फीडबैक

-विद आई वाई सी ऐप के माध्यम से होगा संघटन के कामों व कार्यक्रमों का आंकलन:- मोईजुद्दीन गुड्डू

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय युवक कांग्रेस द्वारा अब ऑनलाइन ऐप के माध्यम से कार्यक्रम को जोड़ा जाएगा। जिसके अलग-अलग स्तर पर जैसे युवा जोड़ो, संघटन बैठक, मीडिया व सोशल मीडिया, अभियान शक्ति में प्रदेश, जिला, विधानसभा व बूथ स्तर तक के कार्यक्रम और अन्य जनहित के मुद्दे के कार्यक्रम व कार्यों का आकलन संगठन के लोग कर पाएंगे जिससे सभी जिलों की मासिक प्रगतिशील रिपोर्ट तैयार की जा सकेगी उसी आधार प्रमोशन व डिमोशन मिलेगा। इसकी दैनिक जानकारी देने के लिए शनिवार 28 जून को विद इंडियन युथ कांग्रेस ऐप के राजस्थान प्रभारी पवन मिठिया, जिला अध्यक्ष मोइनुद्दीन गुड्, एन स यूं आई के जिला अध्यक्ष विशाल मेवाड़ा, देहात अध्यक्ष दुष्यन्त शर्मा, पूर्व विधान सभा आशीष गुर्जर, प्रदेश सामान्य अंकित पांचाल, युवा भारत के बोल संयोजक स्वप्रिल शर्मा, मंडल अध्यक्ष जीशान अली, नंद बिहारी मीना, हरिशंकर सेन, विजय योगी, फैसल खान व अन्य कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। जहां सभी को ऐप की जानकारी देते हुए भविष्य में ऐप के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी, फोटो वीडियो अपलोड करके अंक प्राप्त करना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम कांग्रेस कार्यालय गुमानपुरा में आयोजित हुआ।

राजस्थान में गरीबों की नहीं हो रही सुनवाई

-भू माफिया लगातार सक्रिय- फिरोज खान वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय समाज सेवा संस्था के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष फिरोज खान वारसी ने बताया कि राजस्थान में गरीबों, दलितों, आदिवासियों और पीड़ितों, दिव्यांगजनों, महिलाओं पर अत्याचार के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था ठीक नहीं, प्रभावशाली लोगों द्वारा दादागिरी की जा रही है।

राजस्थान के कुछ प्रशासनिक अधिकारी एवं स्थानीय प्रशासन मुख दर्शक बना बैठा है। इस संबंध में प्रदेश उपाध्यक्ष फिरोज खान वारसी ने बताया कि गरीबों का कोई सा भी मामला हो उन लोगों की सुनवाई नहीं होती है, विभागों के चक्कर लगाने पर मजबूर और न्याय वंचित है। लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी विभागों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कई कार्यालय में आमजन को कार्य करवाने के लिए पैसा देना पड़ रहा है, ऐसे में सरकारी विभागों में दलाल सक्रिय हैं।

जिला प्रशासन पहुंचा सीमावर्ती ग्राम पंचायत तीतरखेड़ी

-रात्रि चौपाल में जनसमस्याओं का हुआ त्वरित समाधान

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के 'जनसेवा ही संकल्प' दृष्टिकोण के अंतर्गत जिला प्रशासन बारां ने सराहनीय पहल करते हुए छबड़ा ब्लॉक की मध्यप्रदेश की सीमावर्ती ग्राम पंचायत तीतरखेड़ी में शुक्रवार शाम को रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने जमीन पर बैठकर आत्मीयता के साथ ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही कई मामलों का समाधान कर जनहित में संबंधित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला कलक्टर तोमर ने न सिर्फ ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना बल्कि जलभराव, पेयजल संकट, बिजली आपूर्ति में बाधा, सड़क मरम्मत, पेंशन, आवास, स्वास्थ्य सेवाएं और अतिक्रमण जैसी समस्याओं पर तुरंत संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। 70 से अधिक प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करते हुए कलक्टर ने कहा कि शासन की मंशा केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि धरातल पर उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।

जिला कलक्टर तोमर ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि यदि उनकी कोई समस्या हल नहीं होती है तो वे उन्हें सीधे कॉल कर सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आमजन की सेवा और समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। यही नहीं, जन सुनवाई के दौरान हरियालो राजस्थान योजना में शून्य प्रगति और श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं कराए जाने के गंभीर मामलों को गंभीरता से लेते हुए ग्राम विकास अधिकारी सागर सिंह मीणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

वहीं, ग्रामीणों द्वारा ओवरस्पीड व ओवरलोड वाहनों पर रोक लगाने एवं थर्मल पावर प्लांट की राख को सार्वजनिक सड़कों पर फेंके जाने की शिकायत को भी जिला कलक्टर ने गंभीरता से लिया और पावर प्लांट के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से इस पर रोक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही जिला कलक्टर ने तीतरखेड़ी ग्राम पंचायत में निरीक्षण कर सुचारू रास्ते एवं पेयजल आपूर्ति का जायजा लेकर निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल में एसीईओ हरिशचंद मीणा, डीएसओ अनील चौधरी, सीएमएचओ संजीव सक्सेना, एसई एम एन बिलौटिया, एसई आलोक गुप्ता, सहायक निदेशक दुर्गा शंकर, सहायक निदेशक सतीश परिहार, सहायक निदेशक शुभम नागर, सहायक जनसंपर्क अधिकारी मोहन लाल, उपखंड अधिकारी रामसिंह गुर्जर, प्रधान हरिओम नागर, पराक्रम सिंह, सरपंच तीतरखेड़ी सहित सभी विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तहफ्फुज-ए-नामूसे रिसालत कॉन्फ्रेंस संपन्न

बारां, (रॉयल पत्रिका)। इस्लामी नए साल के आगाज के मौके पर शनिवार 28 जून बाद नमाज ईशा मुसलमानाने बारां के बैनर तले अंजुमन चौराहे पर तहफ्फुज-ए-नामूसे रिसालत कॉन्फ्रेंस संपन्न हुई। प्रोग्राम कि शुरुआत कुरान की तिलावत के साथ हुई। उसके बाद अशफाक मंसूरी ने नात-ए-पाक पढ़ी।

प्रोग्राम का संचालन कर रहे मौलाना सलमान ने कहा कि पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब का मर्तबा उम्मत-ए-मुस्लिमा के लिए अल्लाह के बाद सबसे अफजल है। उनकी शान में जो गुस्ताखियां की जा रही है सरकार को चाहिए कि ऐसे असामाजिक तत्वों पर तुरंत एक्शन लेकर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे डाला जाए।

प्रोग्राम में वक्ता के रूप में मौलाना समीर रजा, मस्जिद बारां भाई के ईमाम मौलाना अख्तर नदवी, नाजिया कौसर, मौलाना इम्तियाज और आबिद हुसैन अंसारी ने हुजूर सल्लललाहु अलैहि वसल्लम की सीरत के बारे में विस्तार से बताया और कर्बला में शहीद हुए हजरत ईमाम हुसैन की शहादत का वाक्या लोगों को बताया।

प्रोग्राम में अशफाक मंसूरी ने एक तराना भी पढ़ा। प्रोग्राम के अंत में अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के जनरल सेकेट्री आबिद हुसैन अंसारी ने आए हुए सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया। प्रोग्राम में सैकड़ों की तादाद में मर्द और ख्वातीनों ने शिरकत की।

चांद दिखने पर इस्लामी साल शुरु, 1500 साला मिलादुन्नबी का इस्तकबाल

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। मोहर्रम का चांद दिखने पर इस्लामी साल शुरू होता है, इस्लामी केलेण्डर के मुताबिक 5 सितम्बर 2025 को इस्लाम के पैगम्बर का जन्म को 15 सौ साल हो रहे हैं। नये साल के पहले दिन 15 सौ साला मिलादुन्नबी को हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए दरगाह अहमद अली शाह बाबा पर 15 सौ साला मिलादुन्नबी का इस्तकबाल मौलाना फज्ले हक सरपरस्त तंज़ीम उलमा व अइम्माए मसाजिद शहर कोटा की अध्यक्षता में की गई। जिसमें मौलाना सईद मुख्तार, मौलाना अलाउद्दीन, मुफ्ती शहबाज़ आलम, मुफ्ती काज़िम, मौलाना कमरूद्दीन अशरफी, मुफ्ती नौशाद आलम, हाफिज़ मोहम्मद हनीफ, हाफिज नसीम व सदर ईद मिलादुन्नबी मोहम्मद उमर, फजुर्रहमान व शहर के उलमा व इमामों व मीलाद काउंसिल के ओहदेदारान ने शिरकत कर मुबारकबाद दी।

मिलाद काउंसिल कोटा के सदर सय्यद सैफ अली ने बताया कि विश्व पैमाने पर आलमी मिलादुन्नबी कोटा में होगी, जिनकी तैयारियां शुरू कर दी गई।

कॉन्फ्रेन्स का उदेश्य पैगम्बरे इस्लाम की अमन व शांति की जीवनी पेश करके नेकी के रास्ते पर चलाना है।

6 जुलाई को हजरत ईमाम हुसैन की याद में निकाला जाएगा ताजिए का जुलूस

-कारीगरों द्वारा तैयार किए जा रहे ताजिए

बारां, (रॉयल पत्रिका)। इस्लामी नए साल के पहले महीने मोहर्रम उल हराम की 10 तारीख को पैगंबर मुहम्मद साहब के नवासे हजरत ईमाम हुसैन को यजीद के इशारे पर उसकी फौज ने शहीद कर दिया था। उनकी याद में हर साल मातमी धुनों के साथ निकलने वाले ताजिये इन दिनों कारीगरों द्वारा बनाए जा रहे हैं, मेहला पाड़ा निवासी अब्दुल खालिक उर्फ पप्पू नेता, इकबाल नेता, इरशाद नेता इन दिनों ताजिया बनाने में जुटे हैं। ताजिया कमेटी के नूर मोहम्मद मुंशी जी, अशफाक मयूर, इरफान खान अशरफी ने बताया की मोहर्रम की 9 तारीख यानी 5 जुलाई शनिवार की रात को ताजिए का मुकाम अपने - अपने इमामबाड़ों में लगेगा। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा छबीले लगाई जाएंगी। खिचड़ा और बिरयानी का तबर्रुक अकीदतमंदों में तकसीम किया जाएगा। 10 मोहर्रम यानी 6 जुलाई को ताजिए निर्धारित मार्ग से निकाले जाएंगे, जहां शाम को कर्बला पहुंच कर ताजियो को ठंडा किया जाएगा। लाइसेंसधारी ताजिया कमेटियां तैयारियों में जुट गई है।

हज के मुकद्दस सफर से लौटने पर नर्सिंग ऑफिसर शमां बी का एयरपोर्ट पर किया स्वागत

बारां, (रॉयल पत्रिका) । हज 2025 के मुकद्दस सफर पर जाने वाले हाजियों की देखभाल के लिए सेंट्रल हज कमेटी ऑफ इंडिया भारत सरकार द्वारा भेजी जाने वाली मेडिकल टीम में सऊदी अरब के मक्का - मदीना में हाजियों की खिदमत करके वतन लौटने पर जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर नर्सिंग ऑफिसर शमां बी का परिवारजनों ने माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर बुके देकर इस्तकबाल किया। इस दौरान उनके शौहर पार्षद असगर अली, हाजी अब्दुल हमीद, डॉक्टर रफीक अहमद, डॉक्टर रईस अहमद, इरशाद अंसारी, आशिक अली, अरीन अंसारी सहित परिवार के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ईदगाह कमेटी अंता द्वारा दीनी कंपटीशन अवार्ड एवं गाइडेंस प्रोगाम संपन्न

शब्बीर हुसैन

अंता, (रॉयल पत्रिका)। ईदगाह कमेटी जुमला मुसलमान अंता द्वारा दीनी कंपटीशन एवं गाइडेंस प्रोगाम संयोजक नासिर हुसैन कुरैशी सह संयोजक अख्तर हुसैन के संयोजन में ईदगाह सदर हाजी रसूल मोहम्मद की सदारत में आयोजित किया गया।

कमेटी के प्रवक्ता रईस अहमद एवं सदाकत अली ने संयुक्त रूप से बताया कि पिछले दिनों 25 जून 2025 को दीनी कंपटीशन परीक्षा आयोजित की गई थी जिसमें 160 स्टूडेंट ने हिस्सा लिया था। जिसका परिणाम घोषित करते हेतु बच्चों को गाइडेंस देने के लिए प्रोग्राम आयोजित किया गया।

प्रोग्राम की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान से हाफिज शाहिद रजा इमाम जामा मस्जिद अंता द्वारा किया गया।

स्वागत भाषण पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शब्बीर पठान द्वारा दिया गया।

विशिष्ट अतिथि रकम के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व एनटीपीसी अंता के लेखाधिकारी डॉक्टर अशफाक खान द्वारा अपने संबोधन में कहा कि दीनी कंपीटिशन का मकसद दीन के बारे में अपनी नॉलेज को बढ़ाना है और स्टूडेंट द्वारा भी इस मकसद को बखूबी पूरा किया गया है। अतिथि अब्दुल मतीन डायरेक्टर नोबल स्कूल बारां ने सभा को संबोधित करते हुए मौजूदा हालात में शिक्षा के महत्व को समझाया मुख्य अतिथि प्रोफेसर नईम फलाही फॉर्मर ज्वाइंट सेक्रेट्री हायर एजुकेशन गवर्नमेंट आफ राजस्थान रहे जिन्होंने अपने भाषण के जरिए कहा कि इस्लाम ने दीनी और दुनियावी शिक्षा में कोई फर्क नहीं रखा गया है इसलिए हर मुसलमान को दीनी शिक्षा को हासिल करते हुए दुनियावी शिक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करके अपने देश, प्रदेश एवं अपने समाज की प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए। प्रोग्राम में सभा को संबोधित करते हुए अतिथि नायब तहसीलदार मोहम्मद सादिक अंसारी ने सरकारी नौकरियों की वैकेंसी के बारे में जानकारी देते हुए उनके फार्म भरने एवं तैयारी में आने वाली समस्याओं के समाधान बताया।

आलिमा रुखसार परवीन ने लड़कियों को इस्लामी दायरे में रहकर एजुकेशन के क्षेत्र में बेहतरीन रिजल्ट हासिल करते हुए अपनी पहचान बनाने की बात कही। प्रोग्राम के अंत में ईदगाह सदर हाजी रसूल मोहम्मद ने सभी मेहमानों और कंपीटिशन में हिस्सा लेने वाले स्टूडेंट का शुक्रिया अदा किया । मंच संचालन सेक्रेटरी जावेद रईस द्वारा किया गया।

अतिथियों के द्वारा गाइडेंस के बाद कंपटीशन में हिस्सा लेने वाले प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को पारितोषिक के रूप में 3100, 2100 एवं 1100 रुपए इनाम दिया गया। ए कैटेगरी में प्रथम स्थान पर मोहम्मद अर्श, द्वितीय स्थान इंशा नाज, तृतीय जहरा खान।

बी कैटेगरी में प्रथम सायमा अंसारी, तृतीय फातिमा। सी कैटेगरी में प्रथम सकीना अख्तर, द्वितीय सबाहत इरम, तृतीय बिल्किस फातिमा, मंतशा रजा एवं मसूद आलम ने प्राप्त किया। टॉपर रहे छात्रों को रुखसार मेमोरियल ट्रस्ट की तरफ से भी ईनाम में नगद राशि दी गई। मरहूम जमालुदीन शाह की तरफ से भी ईनाम दिया गया।

प्रोग्राम में शामिल सभी अभ्यर्थियों को डॉक्टर अशफाक खान एवं भारत स्टेशनर्स की तरफ से ईनाम दिया गया। प्रोग्राम में नायब सदर अब्दुल रईस खान, हाजी अशफाक खान गुड्, हाशिर अली, अखलाक खान, फरीद अली, रफीक अली, फिरोज अंसारी, अरशद अखलाक, हाजी मजीद अंसारी, अलादीन उस्ताद, पत्रकार उस्मान खान, हाफिज सिद्दीक, हाफिज लुकमान, शेरू खान, मोबीन शेख, असलम मंसूरी, आशिक अली, शाकिर टीचर, नूरुल हसन सहित दर्जनों ईदगाह मेंबर सहित सैकड़ों मुस्लिमजन उपस्थित रहे।

29वें भामाशाह सम्मान समारोह में हिन्दुस्तान जिंक को 6 पुरस्कार

-शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिवर्ष 2 लाख से अधिक ग्रामीण और आदिवासी बच्चे लाभान्वित

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिन्दस्तान जिंक लिमिटेड को 29वें भामाशाह सम्मान समारोह में 6 इकाईयों को सम्मानित किया गया। भामाशाह पुरस्कार हिन्दस्तान जिंक़ के रामपुरा आगुचा माइन, चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर, जावर माइन्स, राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स, जिंक स्मेल्टर देबारी को शिक्षा विभूषण एवं कायड माइन को शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक योगदान के लिए शिक्षा भूषण प्रदान किया गया।

यह लगातार 10वां वर्ष है जब राजस्थान सरकार ने परिवर्तनकारी शैक्षिक पहलों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए हिंदुस्तान जिंक को सम्मानित किया है। कंपनी ने 2017 से विभिन्न शिक्षा हस्तक्षेपों में 430 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, जिससे सालाना 2 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

यह पुरस्कार माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में आयोजित पुरस्कार समारोह में माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, प्रमुख सचिव शिक्षा कृष्ण कुणाल, विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति विश्व मोहन श्रीवास्तव, सीताराम जाट, अनुपमा जोरवाल ने यह पुरस्कार दिये । जिसे हिन्दस्तान जिंक की इकाइयों रामपुरा आगुचा माइन के आइबीयू सीईओ राममुरारी, चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर के यूनिट हेड अमित सुराणा, दरीबा स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स के आइबीयू सीईओ बलवंत सिंह राठौड, जावर माइंस के आइबीयू सीईओ अंशुल खण्डेलवाल, देबारी जिंक स्मेल्टर के हेड ऑपरेशंस मुकेश कुमार एवं कायड माइंस के मान मैनेजर अंकुर माण्डावत एवं सीएसआर टीम ने प्राप्त किया।

विगत आठ वर्षों में, हिन्दस्तान जिंक ने शिक्षा के क्षेत्र में सीएसआर के तहत् सामाजिक विकास में 430 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, जिसमें बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर 80 करोड़ रुपये जिनमें कक्षा कक्षों का निर्माण, शौचालय, खेल के मैदान, पीने के पानी की सुविधाएं और विदुतीकरण और दीर्घकालिक शिक्षा प्रयासों हेतु 350 करोड़ रुपये शामिल हैं। इनमें नंद घर जो कि आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रारंभिक बचपन की देखभाल शामिल है, शिक्षा संबल, ग्रामीण छात्रों वशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा जीवन तरंग,उच्च शिक्षा हेतु ऊंची उड़ान, ग्रामीण बलिकाओं के लिए उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना और कंपनी-संचालित स्कूलों के लिए सहयोग शामिल हैं।

हिन्दस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने इस उपलब्धि पर कहा कि, हमारा मानना है कि शिक्षा सशक्त समुदायों के निर्माण के लिए सबसे मजबूत नींव है। प्रतिवर्ष भामाशाह पुरस्कार प्राप्त करना शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे स्थायी प्रभाव और राजस्थान भर के स्कूलों, शिक्षकों और परिवारों के साथ हमने जो साझेदारी विकसित करने का प्रमाण है। हिन्दस्तान जिंक हमेशा अपने समुदायों के साथ है और उनकी जरूरतों को प्राथमिकता दी है, यह पुरस्कार हमारे लोगों और राज्य के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हिन्दस्तान जिंक के शिक्षा कार्यक्रम से प्रतिवर्ष 2 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं, जिसका स्कूल नामांकन, विशेष रूप से किशोर बालिकओं के विद्यालय से जुड़ाव, आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में सीखने के परिणामों पर उल्लेखनीय प्रभाव हुआ है। राज्य में कक्षा 10वीं का उत्तीर्ण प्रतिशत 2007 में 47 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 93.6 प्रतिशत हो गया है, जिसमें बालिकाएं लगातार बालकों से बेहतर प्रदर्शन रहा हैं।

हिंदुस्तान जिंक का शिक्षा संबल कार्यक्रम ग्रामीण राजस्थान में वंचित बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में सुधार के लिए और अधिक प्रयास करते हुए, कंपनी ने हाल ही में राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें अगले पांच वर्षों में प्रदेश में शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 36 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

हिंदुस्तान जिंक के प्रयासों में शिक्षा के साथ ही ग्रामीण महिलाओं और किसानों का उत्थान, स्वास्थ्य सेवा, जल संरक्षण को बढ़ावा देकर, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे में सुधार और स्थायी आजीविका के लिए भी कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। इन पहलों ने सामूहिक रूप से 2,300 से अधिक गांवों में 23 लाख से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। हिन्दस्तान जिंक भारत के शीर्ष 10 सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट्स में शामिल है जो कि नवाचार, सशक्तिकरण और पर्यावरणीय प्रबंधन प्रमुखता के साथ मजबूत और समावेशी राजस्थान के निर्माण के लिए समर्पित है।

माह मोहर्रम हिजरी सन् का पहला महीना

-हिजरी सन् खुशी की शुरुआत और मुबारकबाद से नहीं बल्कि जुल्म का मुकाबला करने के सबक के साथ शुरू होती है

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद अली पठान ने बताया कि मुहर्रम सुन्नी और शिया दोनों मुस्लिम समुदायों के लिए आध्यात्मिक महत्व रखता है। दुनिया भर के मुसलमान इस महत्वपूर्ण महीने को भक्ति और स्मरण के साथ मनाते हैं। मुहर्रम इस्लामी कैलेंडर का पहला पवित्र महीना होता है। इसे इस्लाम धर्म के चार सबसे पवित्र महीनों में शामिल किया गया है। यह महीना नए साल की शुरुआत का प्रतीक है। कुरान में जिन चार सबसे पवित्र महीनों का जिक्र है मुहर्रम का महीना उनमें से एक है। इस दौरान युद्ध करना सख्त वर्जित है। इस्लाम को मानने वाले मुसलमान इस महीने में सिर्फ अल्लाह की इबादत करते हैं और 10 दिन तक रोजा रखते हैं, इस्लामी कैलेंडर को चंद्र कैलेंडर भी कहा जाता है। इसका अर्थ है कि एक नया महीना अर्धचंद्र (चांद) के दिखने के साथ शुरू होता है। इस्लाम धर्म में मान्यता है कि इस महीने में किए गए अच्छे कामों का फल कई गुना अधिक मिलता है। इस्लामी कैलेंडर को हिजरी कैलेंडर भी कहते हैं, जो चांद के हिसाब से चलता है। इस वजह से इसकी तारीखें हर साल बदलती रहती हैं। यह महीना हजरत इमाम हुसैन और उनके परिवार की शहादत की याद में मनाया जाता है, जो 680 ईस्वी में कर्बला की लड़ाई में शहीद हुए थे। मुहर्रम के महीने में शिया मुसलमान विभिन्न तरीकों से शोक मनाते हैं और हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हैं। इस महीने के दौरान, मुसलमान अक्सर ताजिए निकालते हैं, जो हजरत इमाम हुसैन के मकबरे की प्रतिकृति होते हैं। वे मातम भी करते हैं और हजरत इमाम हुसैन की शहादत की कहानी सुनते हैं। मुहर्रम का महीना मुसलमानों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक अवसर है, जो उन्हें अपने विश्वास और मूल्यों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। यह महीना शांति, सहानुभूति और मानवता के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भी एक महत्वपूर्ण है। हिजरी सन् नई साल से शुरू होती। हिजरी सन् आखरी नबी हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु

अलैहि वसल्लम की हिजरत की याद में शुरू की गई थी, यानि नबी को अपना वतन छोड़ने की याद में और मुहर्रम हिजरी सन् का पहला महीना है, इस महीने में नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के पूरे खानदान पर बेइंतिहा जुल्म हुआ था और उनके लाडले नवासे इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम को पूरे खानदान और साथियों के साथ कर्बला के तपते मैदान में बड़ी बेदर्दी से भूखा प्यासा शहीद कर दिया था। इसलिए हिजरी सन् खुशी की शुरूआत और मुबारकबाद से नहीं, बल्कि जुल्म का मुकाबला करने के सबक के साथ नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम और उनके खानदान पर हुए जुल्म को याद करते हुए शुरू करनी चाहिए।

इल्म से ही मुस्तकबिल संवरता है, इल्म के बिना जिंदगी अधूरी- सैयद रज्जाक अली

मोहम्मद यासीन

पाली,(रॉयल पत्रिका)। इल्म से ही मुस्तकबिल संवरता है, इल्म के बिना जिंदगी अधूरी है। उक्त उद्गार महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र सैयद रज्जाक अली ने खिदमत -ए- ख़ल्क़ चेरिटेबल ट्रस्ट पाली द्वारा मुस्लिम मुसाफिर खाना में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि की हैसियत से व्यक्त किए। सुफी मौलाना इकबाल नूरी ने दीनी व दुनियावी इल्म दोनों को जरुरी बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति को शिक्षित होना जरूरी है, क्योंकि शिक्षा हमें एक बेहतर इंसान बनने में मदद करती है। असरफ कादरी ने कहा कि शिक्षित व्यक्ति अपने आस-पास की दुनिया को बेहतर बनाने में योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में जी एम शेख अब्दुल मलिक वरिष्ठ साहित्यकार अब्दुल

समद राही अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में दसवीं व बारहवीं बोर्ड में उत्कृष्ट नंबर लाने वाली छात्राएं -बुशरा कुरैशी, सादिया खत्री, अफसीन शेख, सायमा अंजुम, जिशान, नाजमीन, कायनात, आरज़ू को अतिथियों द्वारा फूलों का हार पहनाकर व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आगाज तिलावत-ए -कुरान से किया गया। तत्पश्चात संस्था द्वारा अतिथियों का साफा, माला व मोमेंटो प्रदान कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सरस संचालन छात्राएं नौरीन, इफरा, नाजमीन, सुहाना ने किया । अंत में मुर्तजा हसन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर आमीन गौरी, मोहम्मद यासीन रॉयल, अनवार आलम, अमजद, का सहयोग सराहनीय रहा।

9वीं एशियन पेनचक चैंपियनशिप वियतनाम में आयोजित होगी

-चूरू के इस्लाम खान का सिलेक्शन हुआ

मोहम्मद अली पठान

चुरु,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के मो. इस्लाम खान पुत्र मो. आमीन खान वार्ड न. 38 चुरु का नवी एशियन पेंन चेक चैंपियनशिप जो वियतनाम में 24 जुलाई से 31 जुलाई तक होगी। उस में इस्लाम खान का सिलेक्शन होने पर बताया कि ओपन -2 110+ वेट केटेगरी में भारतीय पेनचक सिलाट टिम में चुनें गये राजस्थान सेक्टेरी पूरणमल जाट, कोच नरपत सिंह दुधवाखारा और चुरु अध्यक्ष पारश कवर ने इस्लाम

खान को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाए दी।

सेड़ीया ग्रेवल सड़क पर भरा पानी, राहगीर परेशान

सेड़ीया,(रॉयल पत्रिका)। पंचायत समिति सरनाऊ के सेड़ीया ग्राम में सागरोल नाडी से तुलशानिया की ढ़ाणी सड़क मार्ग कच्ची होने के कारण बारिश में जलग्मन भरी रहती है। दोनों ओर बबुल की झाड़ियों के कारण वाहन चालकों व राहगीरों को पैदल चलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी के भराव के कारण लोगों को आवागमन करने में दिक्कत झेलनी पड़ रही है। लोगों का कहना है कि स्कुल जाने वाले विद्यार्थियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जिससे बारिश के समय हादसे का खतरा मंडराता रहता है। इसी सड़क मार्ग से इमरजेंसी अस्पताल जाने के लिए कई मशक्कत कर सड़क पार करनी पड़ती है। बार-बार अवगत करवाने के बाद भी समस्याओं का समाधान नही हुआ।

रुखसार झारिया नीट में सेलेक्ट

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। झारिया जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव झारिया की बेटी रुखसार बानो पिता युसूफ खान आलमाण ने नीट परीक्षा में बेहतरीन परिणाम प्राप्त किया है। आपके 542 नम्बर और ऑल इंडिया रैंक 16019 आई है। आपकी प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल झारिया से हुई उसके बाद 2 वर्ष चूरू में शिक्षा प्राप्त की फिर नीट की तैयारी के लिए सीकर एडमिशन लिया। आपका 10वीं और 12वीं में बेहतर रिजल्ट रहा उसी के आधार पर सीकर में अपनी तैयारी कर नीट में बेहतरीन परिणाम दिया। गांव के ही शौकत खान रिटायर्ड कमिश्नर ने बताया कि आप एक साधारण परिवार से आतीं हैं। आपके पिताजी विदेश रहते हैं। माता मदीना बानो ग्रहणी है। एक भाई है वह भी विदेश गया हुआ है। और चार बहने हैं। इनसे बड़ी बहन है वह पढ़ाई कर रही हैं और टीचर की तैयारी सीकर

में कर रही हैं । रुखसार सबसे छोटी है पढ़ाई में होशियार है आगे जाकर चिकित्सा क्षेत्र में विशेषज्ञ बनकर समाज में सेवाएं देना चाहती है।

गांव के ही स्कूल प्रिंसिपल मुराद खान ने बताया कि बच्ची शुरू से ही पढ़ने में होशियार रही है और कुछ बनना चाहती है। स्कूल परिणाम भी अच्छे रहे हैं। नूर मोहम्मद खान रिटायर्ड आबकारी अधिकारी ने बच्ची को मोटिवेशन किया और उज्जवल भविष्य की कामना की बच्ची ने बताया कि जब मैं सीकर गई नीट की तैयारी करने के लिए तो शुरू में मुझे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा लेकिन मैं लग्न के साथ पढ़ाई करती रही मुझे माता-पिता और टीचर्स का काफी सहयोग मिला उसी का परिणाम है कि मैं आज नीट में सेलेक्ट हुई ।

आगे जाकर मैं चिकित्सा क्षेत्र में बेहतरीन सेवाएं देना चाहती हूं। मैं ग्रामीण अंचल से आती हूं। गांव के हाकम अली खा आलमाण, भवरु खान, मांगू खां, नजीर खा, लतीफ खान, आदि उपस्थित रहे उन्होंने बताया कि रुखसार के दादा फुलेखा वर्ल्ड बार में भारत की तरफ से लड़े थे और आप स्वतंत्रता सेनानी भी रहे।

नये इस्लामी साल के चांद को देखने के लिए दरगाह में उमड़ा जनसैलाब

कपासन, (रॉयल पत्रिका)। कपासन प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर इस्लामी नये साल 1447 हिजरी, नौ चंदी जुमेरात पर जायरीने दीवाना का उमड़ा सैलाब 25 मोहरर्म सोमवार को पेश होगा अलम शरीफ।

दरगाह हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के ऑफिस सैक्रेट्री शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार गुरूवार को सुबह से ही जायरीन का आना शुरू हो गया। दर्शन हेतु लम्बी-लम्बी कतारे लगी अहाता-ए-नूर में महफिले मिलाद का प्रोग्राम हुआ एवं कव्वाल हज़रात ने बारी-बारी से अपने कलाम पेश किए। मेला ग्राउण्ड मे 300 से उपर दुकाने लगी। सांयकाल चिराग बत्ती के समय मुल्क में अमनो सुकून की दुआ की तो आमीन-आमीन की सदा से दरगाह परिसर गूंज उठा। 25 मोहरर्म सोमवार 21 जुलाई को आस्ताना-ए-आलिया एवं बुलन्द दरवाजा पर बाद नमाज़े असर के अलम शरीफ पेश करने की रस्म अदा की जाएगी। 6 सफर से 8 सफर तक, इन्शाअल्लाह 01 अगस्त से उर्स शुरू होकर 03 अगस्त को कुल की फातिहा के साथ 84वां उर्स सम्पन्न होगा।

सांचौर जिला बहाली को लेकर 181 दिनों से धरना जारी, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। जिला बहाली की मांग को लेकर धरना 181 वें दिन जारी रहा। वहीं पंचायत समिति सरनाऊ के ग्राम पंचायत सेड़िया से बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने धरने को समर्थन दिया तथा सांचौर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर नारेबाजी कर एडीएम को ज्ञापन सौंपा। पूर्व राज्य मंत्री सुखराम विश्नोई और संयोजक अधिवक्ता भीमाराम चौधरी ने कहा कि सांचौर जिला जो जालौर जिले से 145 किमी दूर व अंतिम गांव आकोडिया रणखार करीब 250 किमी दूर हैं। धरने को संबोधित करते अधिवक्ता भीमाराम चौधरी ने कहा कि सरकार ने किस आधार पर सांचौर जिले को निरस्त किया गया, यह अब तक स्पष्ट नहीं है जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने पर आमजन के लोगों के सभी जिले स्तर के कार्य जल्द होते थे,

वर्तमान सरकार आमजन का त्वरित कार्य नहीं करना चाह रही है। और आमजन को इधर- उधर भटका आर्थिक नुकसान करना चाहती है। सरकार ने भी कोई कारण नहीं बताया है और सीधे ज्यादा जिले होने का हवाला देकर जिला निरस्त कर दिया। जबकि वास्तविक स्थिति जाने बगैर ही सरकार ने सांचौर की जनता के साथ बड़ा अन्याय किया। जिला सही मापदण्ड अनुसार था उन मापदंडो के आधार पर बनाया था। जिसको वर्तमान सरकार ने बिना जॉचे परखे जिले को निरस्त किया जो कि सांचौर की जनता के साथ भेदभाव रवैया अपना रही है। इस दौरान अधिवक्ता सदराम साहू, लादुराम बेनिवाल, हरिराम, रूगनाथ राम, भेराराम, मोहनलाल, काछबाराम, धोलाराम, हरचंदराम, मंगलाराम, पार्षद दिलीप खोरवाल, बाबुराम, राणाराम, राजुराम, मगाराम, अर्जुनसिंह, मदनलाल, हरिकिशन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

मौलाना आज़ाद विवि के फार्मेसी के शमी अली ने राष्ट्रीय स्तर की 3 परीक्षाएं की क्वालीफाईड

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आजाद विश्वविद्यालय के डीन ऐकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि फार्मेसी संकाय के आठवें सेमेस्टर के नियमित छात्र शमी अली ने राष्ट्रीय स्तर की 3 परीक्षाओं को क़ालीफाईड कर लिया है। उनके इस कार्य से विश्वविद्यालय गौरव का अनुभव कर रहा है।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित जी.पेट परीक्षा में कुल 47142 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिसमें शमी अली ने 603 वी रैंक हासिल की। इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित एन.आई.पी.ई.आर. परीक्षा में 6500 विद्यार्थियों में से शमी अली ने 1381वी रैंक हासिल की तथा ऑल इण्डिया सी.यू.ई.टी. पी.जी. की परीक्षा में भी शमी अली ने राष्ट्रीय स्तर पर क़ालीफाई किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने

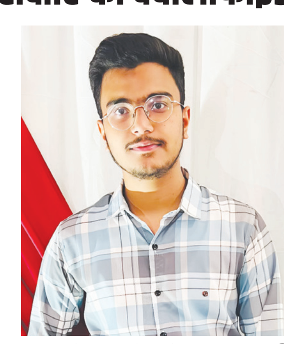

कहा कि शमी की इस उपलब्धि में उसकी मेहनत के साथ-साथ विश्वविद्यालय की शिक्षण की भी भूमिका महत्त्वपूर्ण है। यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. जमील काजमी ने कहा कि शमी अली की इस उपलब्धि से हमारे विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलेगा एवं राष्ट्रीय स्तर पर अच्छे परिणाम भी प्राप्त होंगे। हम सब शमी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है। साथ ही फार्मेसी संकाय के सभी शिक्षकों को भी बधाई देते है।

लंबे संघर्ष के बाद मिली स्कूटी, छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज्य सरकार की कालीबाई भील मेधावी अलपसंख्यक छात्रा स्कूटी वितरण योजना के अंतर्गत 2022-23 मे चयनित छात्राओं को 28 जून 2025 को मिली स्कूटी। सामाजिक कार्यकर्ता असलम खान दौलत खानी ने बताया लम्बे संघर्ष को मिली जीत सत्र 2022-23 राजस्थान सरकार की काली बाई भील मेधावी अल्पसंख्यक स्कूटी वितरण योजना के अंतर्गत छात्राओं का स्कूटी के लिए चयन हुँ था। मगर राजस्थान सरकार अपनी नीति के चलते छात्राओं को बार-बार कॉलेज के चक्कर लगाने पर

मज़बूर किया। राजस्थान सरकार के कई विधायको को ज्ञापन देकर व व्यक्तिगत आग्रह के बाद स्कूटी वितरण की राह खुली व आखिरकार संघर्ष की जीत हुई। संघर्ष के माध्यम से आज काली बाई भील योजना के अंतर्गत अल्पसंख्यक समुदाय व अन्य वर्ग की छात्राओं को स्कूटी वितरित की गई। जिससे छात्राओं में खुशी है।

हज यात्रा कर लौटे हाजियों का किया स्वागत

पाली,(रॉयल पत्रिका)। हज यात्रा पर गए हाजियों के आने पर मुस्लिम समाज के लोगों ने उनका इस्तकबाल किया। करीब डेढ़ महीने की हज यात्रा करके वापस अपने शहर आने पर हाजी अनवर अली उनकी पत्नी नसिम बानो, हाजी मोहम्मद शौकिन उनकी पत्नी मोमीना बानो, हाजी मोहम्मद युसूफ पंवार उनकी पत्नी सायरा बानो का सभी ने गर्मजोशी से माला पहनाकर व मिठाई खिला कर स्वागत किया। हज यात्रा पर गए हाजी मोहम्मद युसूफ ने कहा कि अल्लाह व रसूल का करम है जो मुकद्दस हज करने की तौफीक मिली। मक्का मदीना शरीफ के तमाम मकामात पर इबादत व जियारत की आका-ए-करीम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलेही वसल्लम की बारगाह में सलाम पेश करने का मौका मिला व देश में अमन चैन आपसी मोहब्बत भाईचारा व खुशहाली के लिए दुआएं की। इस अवसर पर फकीर मोहम्मद पठान, साहित्यकार अब्दुल समद राही, मोहम्मद यासीन रॉयल, साबिर मोहम्मद सागर, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद इरफान, मोहम्मद सद्दीक, अब्दुल गफ्फार पठान, मुनीर सिलावट, यासीन सिसोदिया, पाली खेड़ा सदर मोहम्मद यूसुफ, नया सदर फारूक रंगीला, केशियर मोहम्मद असलम, सेक्रेटरी मोहम्मद अफजल, मोहम्मद निसार यूपी सेक्रेटरी आदि कई गणमान्य जन व समाज बंधु उपस्थित थे।

मौलाना आज़ाद विवि की ओर से अलवीरा अब्बासी का हुआ सम्मान

-12वीं कला वर्ग में 93.60 प्रतिशत अंक हासिल किए

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी की ओर से छात्रा अलवीरा अब्बासी का 12वीं कला वर्ग में 93.60 अंक हासिल करने पर खास सम्मान किया गया।

कौम अब्बासियान जोधपुर के पूर्व सचिव एवं मरूधरा जॉइन्ट एवं स्पाइन हॉस्पिटल के मैनेजर बाबू खान अब्बासी ने बताया कि भांजी अलवीरा, कमला नेहरू नगर स्थित फिरोज खान मेमोरियल गर्ल्स सीनियर सैकेण्डरी स्कूल की कक्षा 12वीं की कला वर्ग की छात्रा है इनके पिता मोहम्मद नासिर ठेले पर चाय का व्यवसाय करते है तथा इनकी माता जुबैदा बानो गृहणी है।

उन्होंने बताया कि अलवीरा शुरू से ही पढने में रूचि रखने वाली छात्रा रही हैं लेकिन आर्थिक रूप से सक्षम नही होने के बावजूद भी मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक के निरन्तर विशेष सहयोग से अलवीरा ने आज ये उपलब्धि हासिल की है। अलवीरा अब आगे भी इनकी सरपरसती में यूनिवर्सिटी के बीए बीएड पाठ्यक्रम की छात्रा बनकर प्रतियोगी परीक्षाओं तथा शिक्षक बनने की तैयारी पूर्ण करेगी।

अलवीरा को ये सम्मान यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक, प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी, यूनिवर्सिटी बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट मेम्बर निसार अहमद खिलजी व समाजसेवी अब्दुल सत्तार ने प्रदान किया। बाबू खान अब्बासी एवं अलवीरा ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

हज यात्रा कर चूरू पहुंचने पर हाजियों का फूल मालाओं से स्वागत किया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर हज यात्री हज के अरकान मुकम्मल करने के बाद मक्का और मदीना से वापस अपने देश और शहर पहुंच रहे हैं। हज यात्रा कर चूरू पहुंचे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी हाजी निसार खान व उनकी अहिल्या का परिवार व समाज और रिश्तेदारों ने फूल मालाओं से स्वागत किया आप से धार्मिक यात्रा के बारे में चर्चाएं की दिनभर मिलने जुलने वालों का तांता लगा रहा। आपने हर आने वाले को मक्का और मदीना से लाई हुई खजूरे व आबे जम-ज़म का पानी बतौर प्रसाद दिया। इसी क्रम में शहर के ईदगाह मोहल्ले के समाज सेवी हाजी आरिफ खान दौलत खानी भी अपनी बहन के साथ हज यात्रा कर चूरू पहुंचने पर सभी ने खुशी-खुशी आपका स्वागत किया। आपसे सभी मिलने वालों को आपने मक्का और मदीना का पाक जल आबे जम-

जम व खजूर बतौर प्रसाद दिया। आपने बताया की सैकड़ो देश के लोग हर रंग -रूप, अलग-अलग भाषाओं के बोलने वाले फिर भी एक साथ रहते हैं। वहां पर रहना खाना और व्यवस्थाए अपने आप में एक उदाहरण है। और वहां पर लगभग चालीस लाख से अधिक लोग एक साथ इकट्ठा होते हैं और इबादत करते हैं नमाज पढ़ते हैं। और किसी भी तरह से किसी को कोई परेशानी नहीं होती। रहने-खाने की व्यवस्थाएं वहां पर बेहतर रहती है। एक जगह से दूसरी जगह पर जाने के लिए बस व्यवस्थाएं होती हैं जो हज के अरकान पूरे कराने में मदद देती है। आपने सभी के लिए दुआएं मांगी। आप को मुबारकबाद देने पहुंचे हाजी लियाकत खान रि.व्याख्यात , मोहम्मद अली पठान,डॉक्टर अख्तर खान, रियाजत खान, एडवोकेट जावेद खान, इमरान खान आदि ।

राज्य स्तर पर सम्मानित हुए अरूण जाखड़

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। सांख्यिकी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर झुंझुनूं जिले के अरूण कुमार जाखड़ सहायक सांख्यिकी अधिकारी को राज्य स्तर पर राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर जयपुर में 29 जून को 19 वें सांख्यिकी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा सांख्यिकी के राज्य स्तर के सर्वोच्च अवार्ड प्रोफेसर

पी सी महालनोबिस सांख्यिकी अवार्ड से नवाजा गया। वर्तमान में जाखड़ प्रमुख चिकित्सा अधिकारी कार्यालय झुंझुनूं में पदस्थापित हैं।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

रकमा का शपथ ग्रहण एवं विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित

-85 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। करबला स्थित हज हाउस जयपुर में राज. अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा) द्वारा रविवार को विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा 10वीं और 12वीं में 85% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक समाज के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान जयपुर जिला कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। आरएएस अधिकारी हाकम अली ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में रिटायर्ड आईएएस यू. डी. खान ने विशेष तौर पर शिरकत की और विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं में आने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए बच्चों को कड़ी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने की सीख दी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रशासनिक सेवा से जुड़े अधिकारियों ने बच्चों को आगे की पढ़ाई में हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। जिला अध्यक्ष मोहम्मद साबिर अब्बासी ने बताया कि RAKMA का उद्देश्य अल्पसंख्यक समाज के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना और प्रशासनिक सेवाओं में भागीदारी बढ़ाना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी और अभिभावक शामिल हुए। समारोह के अंत में बच्चों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया और उन्हें देश की तरक्की में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। समारोह में रकमा के प्रदेश अध्यक्ष अतीक अहमद, प्रदेश महासचिव मोहम्मद हबीब खान, पूर्व रकमा प्रदेशाध्यक्ष ज़ाहिद अली, रिटायर्ड आईएएस यूडी खान, सीनियर आरएएस हाकम खां, एडवोकेट शाहिद हसन, मुफ़्ती कुरैश साहब, रकमा महासमिति अध्यक्ष आसम खान (अलवर), मोहम्मद साबिर, तैयब नकवी, जाहिद हुसैन, अब्दुल रहमान समेत प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी मौजूद रहे।

क्या इंसानियत अब भी ज़िंदा है: डॉ. मोहम्मद शोएब

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। एक राहत की सांस तो ज़रूर आई है — ईरान और इज़राइल के बीच चल रही तल्ख़ी के बाद फिलहाल सीज़फायर हो गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या

गोलियों और मिसाइलों का रुक जाना ही अमन है? क्या इंसानियत की जो लाशें मलबों के नीचे दब गईं, उन्हें अब भी कोई देखेगा? ग़ज़ा में हालात दिल दहला देने वाले हैं। बमबारी में मारे गए अधिकतर लोग वो थे जो कतार में खड़े थे — एक रोटी, एक मुट्ठी चावल, या सिर्फ पानी की एक बोतल के लिए। स्कूल, अस्पताल, मस्जिद — किसी जगह को नहीं छोड़ा गया। और यह सब उस दौर में हो रहा है जब दुनिया सबसे ज़्यादा 'सभ्य' होने का दावा करती है। मुझे यह सोचकर तकलीफ़ होती है कि बच्चों की लाशों को गोद में लिए मांएं कुछ कह नहीं रहीं, सिर्फ देख रही हैं। क्या यही वह भविष्य है, जिसे हम अपनी चुप्पी से स्वीकार कर रहे हैं? ईरान और इज़राइल के बीच सीधा टकराव, और फिर वैश्विक दबाव में आया यह सीज़फायर — यह दिखाता है कि जब दुनिया चाहे, तब जंग रोकी जा सकती है। पर क्या हम चाहते हैं? या हम बस खून को तमाशे की तरह देखने के आदी हो चुके हैं? हिंदुस्तान की सरज़मीं से मैं यह कहना चाहता हूँ: हमारी परंपरा रही है शांति और इंसाफ की। आज ज़रूरत है कि हम अपने उस किरदार को फिर से दुनिया के सामने रखें। हमारी संसद, हमारा संविधान, और हमारी अवाम — सबको मिलकर इस बात को कहना होगा कि अब नहीं। अब बच्चों की लाशों पर राजनीति नहीं। अब अस्पतालों पर बमबारी नहीं। अब धर्म के नाम पर क़त्ल नहीं। युद्ध कभी किसी का नहीं होता, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत हमेशा आम जनता चुकाती है। मैं खासतौर पर नौजवानों से कहता हूँ — खामोश मत रहिए। बोलिए। लिखिए। सोचिए। इंसानियत के साथ खड़े होइए। क्योंकि जो जुल्म के वक्त खामोश रहता है, वो जालिम से कम नहीं होता।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।

संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com